मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 155
गुरुवार, 19 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

बस्तर ओलंपिक इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, विकास और नई उम्मीदों की नींव डालने का काम करेगा: अमित शाह

छत्तीसगढ़, 18 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर ओलंपिक समापन समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि अपनी मौजूदगी दर्ज करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रदेशवासियों के सामने स्पष्ट किया कि, ह्यबस्तर ओलंपिक पूरे बस्तर के सभी सातों जिलों की उम्मीदों की पहचान बनने वाला है। बस्तर ओलंपिक आने वाले दिनों में बस्तर के विकास की यशगाथा लिखने वाला और नक्सलवाद पर अंतिम प्रहार करने वाला है। बस्तर ओलंपिक इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, विकास और नई उम्मीदों की नींव डालने का काम करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में आज बस्तर बदल रहा है। नक्सलवाद का गढ़ बस्तर में जब 2026 में बस्तर ओलंपिक का आयोजन होगा तब पूरा देश कहेगा कि बस्तर बदल गया है। बदल रहा से बदल गया है की प्रक्रिया में बस्तर ओलंपिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। जब बस्तर की एक बच्ची ओलंपिक में पदक जीतेगी, वो पूरी दुनिया को संदेश होगा कि हिंसा रास्ता नहीं है बल्कि विकास रास्ता है। बस्तर ओलंपिक से प्रेरणा लेकर युवा गलत रास्ते के बजाए मुख्यधारा को चुनने का काम करेंगे।

पूरा देश जानता है कि भारत को किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में मिलने वाले पदकों में से आधे पदक आदिवासी बच्चे लाते हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि बस्तर ओलंपिक खेलों और इनके माध्यम से विकास की शुरूआत आने वाले दिनों में बस्तर के आदिवासी बच्चों के लिए विश्व के क्षितिज को खोलने का काम करेगी। इस मौके पर शाह ने यह भी संदेश दिया कि, ह्यनक्सलवाद की हिंसा से प्रभावित दिव्यांगजनों की व्हीलचेयर रेस बस्तर के विकास की रफ्तार का प्रतीक बनेगी। नक्सलवाद की पोषक रही कांग्रेस के जमाने में बस्तर में बिजली नहीं होती थी, पानी नहीं होता था, भुखमरी थी, स्कूल जला दिए गए थे और दवाखाने के साथ-साथ अस्पताल बंद होते थे। पिछले एक साल में मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बस्तर में विकास की नई कहानी लिखने का काम किया है। नक्सलवाद के खिलाफ अभियान तेज हुआ और एक साल के अंदर 287 नक्सली मारे गए, लगभग 1,000 नक्सली गिरफ्तार हुए और 837 ने आत्मसमर्पण किया। बीते पाँच सालों में शाह की रणनीतियों के तहत नक्सलवाद के खिलाफ दोनों मोर्चे पर काम हुआ है। एक ओर जहाँ हिंसा में लिप्त नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा घेरा सख्त कर उन पर नकेल कसी गई है, वहीं, दूसरी ओर आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को बसाने का काम भी किया गया है। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र, जो विकास की दौड़ में पिछड़ गए थे, उन्हें विकसित करने का काम भी जोर-शोर से किया जा रहा है। यही कारण है कि 1983 से नक्सलवाद से पीड़ित क्षेत्र में सुरक्षाबलों की मृत्यु में 73% और नागरिकों की मृत्यु में 70% की कमी आई है। ऐसे में शाह के इस दावे को सच मान लेना चाहिए कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा।

दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद आप वृद्धजनों के नि:शुल्क इलाज की योजना शुरू करेगी: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को घोषणा की कि दिल्ली में उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के निःशुल्क उपचार के लिए संजीवनी योजना शुरू की जाएगी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में प्रस्तावित है। केजरीवाल ने कहा कि इस योजना के लिए पंजीकरण दो-तीन दिन में शुरू हो जायेगा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवी इस योजना के लिए पात्र बुजुर्गों का पंजीकरण कराने के लिए घर-घर जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद आप सरकार इस योजना को लागू करेगी।

बीजद कार्यकर्ता भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं : नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, 18 दिसम्बर। बीजू जनता दल के 28वें स्थापना दिवस से पहले पार्टी प्रमुख नवीन पटनायक ने सदस्यों से ओडिशा के लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहने का आग्रह किया। बीजद का 28वां स्थापना दिवस 26 दिसंबर को है। पार्टी ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और अन्य मुद्दों को उजागर करने के लिए छह जनवरी को भुवनेश्वर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की घोषणा की। पटनायक ने पार्टी समर्थकों से राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने और बढ़ती महंगाई के प्रभाव को उजागर करने को कहा।यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है ! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें बीजद अध्यक्ष ने कहा, पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि रोकने और चुनाव में किये गए वादों को पूरा करने में राज्य की भाजपा सरकार कीविफलता को जनता तक पहुंचाने की जरूरत है। सभी पार्टी पदाधिकारियों को लिखे एक खुले पत्र में पटनायक ने कहा कि बीजद का 28वां स्थापना दिवस सभी विधानसभा क्षेत्रों में मनाया जाएगा। पटनायक ने कहा कि क्षेत्रीय पार्टी 27 वर्षों से ओडिशा के लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है।

उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा ने राज्य में सरकार बनाई है, लेकिन लोगों ने अधिकतम वोट बीजद को दिए हैं। बीजद की स्थापना 26 दिसंबर 1997 को हुई थी और इसका नाम इसके दिग्गज नेता बीजू पटनायक (नवीन पटनायक के पिता) के नाम पर रखा गया था। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ बीजद नेता देवी प्रसाद मिश्रा ने कहा कि पार्टी सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और महंगाई के मुद्दे पर छह जनवरी को सड़कों पर उतरेगी। बीजद के कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के संयोजक संजय दासवर्मा ने कहा कि पार्टी छह जनवरी को भुवनेश्वर में एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन करेगी। इस प्रदर्शन में 5,000 से अधिक पार्टी सदस्यों के भाग लेने की उम्मीद है।

आओ हम किशोरियां एचपीवी का टीका लगवाए, प्रदेश व देश को सर्वाइकल कैंसर के मुक्त बनाये

राज्यपाल ने सबल काशी कार्यक्रम का बटन दबाकर उद्घाटन किया

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को वाराणसी के शिवपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (नगर क्षेत्र) में सर्वाइकल कैंसर जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित शिविर में जीवन रक्षा एच.पी.वी. वैक्सीन अभियान की शुरूवात की। इस दौरान 100 बच्चियों का निःशुल्क एच.पी.वी. टीकाकरण किया गया। अभियान के अंतर्गत आगामी 15 दिवस में जनपद के सभी विद्यालयों की 9 से 14 वर्ष की छात्राओं का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जायेगा। जिले की 80 हजार बच्चियों का वैक्सीनेशन किया जायेगा। जिसमें 6 माह के अंतराल पर दो बार टीकाकरण किया जायेगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने सबल काशी कार्यक्रम का बटन दबाकर उद्घाटन भी किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का ध्यान महिलाओं के उत्थान पर है। महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने गुजरात सरकार के दौरान इस क्षेत्र में किये गये कार्यों का जिक्र करते हुए जन्मजात विकृति तथा कटे होठों के इलाज हेतु किये गये प्रयासों की बात बताई। उन्होंने कहा की 9 से 14 वर्ष की बच्चियों में किस प्रकार इस अभियान की शुरूआत राजभवन में रहने वाले लोगों के बच्चियों में टीकाकरण कराते हुए इस अभियान की शुरूआत की

गयी। उन्होंने बताया की किस प्रकार प्रमुख कंपनियों से अपने सीएसआर को इस प्रकार के उत्थान कार्यक्रमों में खर्च की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से काशी की 9 से 14 वर्ष की अस्सी हजार बच्चियों को इस टीकाकरण अभियान से लाभ होगा, जिससे हमारी बच्चियां स्वस्थ एवं सशक्त होते हुए समाज को सशक्त करेंगी।

उन्होंने कहा कि सभी का ध्यान बेटियों, महिलाओं के प्रति होना चाहिये। ताकि हम उनको सशक्त बनाते हुए अपने भविष्य के खर्च को 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। उन्होंने महिलाओं से भी अपने प्रति स्वतः ध्यान रखने को भी कहा। आपका स्वास्थ्य बढ़िया होगा तभी आप अपने बच्चों को देखभाल कर पायेंगी। बेटा-बेटी की सोच को हमें छोड़ना होगा, हमें बेटा-बेटी के बीच के भेदभाव को त्यागना होगा, तभी वो भविष्य में आपका नाम कमाएगी।

बेटी में जो ताकत है उसको पहचानिए। उन्होंने कहा कि 22 वर्ष तक की बच्चियों को भी हम टीकाकरण दे सकते बशर्ते हमें उनके लिये डोज की संख्या बढ़ानी होगी। उन्होंने सभी से अपने आस-पास रहने वाली बच्चियों को भी इस टीकाकरण अभियान से जोड़ने को कहा। उन्होंने समाज से भी इस तरह बढ़चढ़कर खर्च करने को कहा ताकि बच्चियों के जीवन को स्वस्थ्य रखा जा सके।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में जम्मू-कश्मीर के कटरा में बंद

कश्मीर। वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा में ताराकोट मार्ग को सांझी छत से जोड़ने वाली 250 करोड़ रुपये की प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में बुधवार को बंद रखा गया।

यह मार्ग जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में स्थित गुफा मंदिर की ओर जाता है।

रोपवे से स्थानीय व्यापारियों की आजीविका नष्ट होने की आशंका व्यक्त करते हुए दुकानदारों, टट्टू संचालकों और पालकी मालिकों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाली माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने शहर में विरोध मार्च का नेतृत्व किया और मांग की कि इस परियोजना को रद्द कर दिया जाए।

अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए मोदी- योगी संकल्पित : सरवर सिद्दीकी

भदोही। मदरसा अरबिया मदीनतुल इल्म, पीरखापुर भदोही में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी भदोही एंव मदरसा के तत्वावधान में बुधवार को अल्पसंख्यक दिवस मनाया गया। इसमें अल्पसंख्यक समुदाय, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं व अन्य जनों के साथ-साथ जिले के अनुदानित, मान्यता प्राप्त मदरसों एवं मिनी आईटीआई के प्रबंधकों, शिक्षकों एवं मेधावी बच्चों ने भाग लिया। मदरसा के बच्चों द्वारा बनाएं गए माडल हर किसी को लुभा रही थी और हर किसी ने उनके हनर की सराहना की। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति सदस्य, उत्तर प्रदेश सरकार दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री मंत्री सरवर सिद्दीकी ने प्रदेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों और

उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस 18 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण के प्रति समाज में जागरुकता फैलाना है.

उन्होंने कहा कि यह दिवस अल्पसंख्यकों के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है. सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को बहुत सारे अधिकार दिए हैं. शिक्षा एवं जागरुकता के अभाव में लोग इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं. सरवर सिद्दीकी ने शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने में अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लिए राष्ट्रीय आयोग की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हर वंचित नागरिक के लिए आवास, बैंक खाते, गैस सिलेंडर और मुफ्त राशन जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। उन्होंने बताया कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को अपनाकर ये लक्ष्य हासिल किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह लागू करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अल्पसंख्यक संस्थानों से एनईपी 2020 को लागू करने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कौशल विकास और अकादमिक बैंक क्रेडिट, एनसीआरएफ आदि जैसी पहलों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान के लिए राष्ट्रीय आयोग के समर्पित प्रयासों की सराहना की। मदरसा के छात्र छात्राओं, टीचरों, पत्रकारो व अन्य लोगों को सम्बोधित करते हुए सरवर सिद्दीकी ने कहा कि लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के आधार पर सरकार चला रहे हैं। समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति के लिए सरकार कार्य कर रही है।

समर्थ लोग निर्बल लोगों को स्नेह-सहयोग दें

-ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस- 20 दिसम्बर 2024 पर विशेष

लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने, गरीबी पर अंकुश लगाने, दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए नए रास्तों की तलाश करने, विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने, शांति एवं सौहार्दपूर्ण जीवन को संभव बनाने, सरकारों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की याद दिलाने एवं पूरी दुनिया में, विशेष रूप से विकासशील देशों में सहयोग, शांति, सह-जीवन, समानता और सामाजिक न्याय की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विविधता में एकता दशार्ने, सतत विकास के लिए लोगों, सरकारों को प्रेरित करने, लोगों को गरीबी, भुखमरी, बीमारियों से बाहर निकालने के लिए इस दिवस का विशेष महत्व है। इसमें भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को मानव एकता की दृष्टि से एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ह्लसंयुक्त राष्ट्र के निर्माण ने विश्व के लोगों और राष्ट्रों को एक साथ शांति, मानवाधिकारों और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित किया। संगठन की स्थापना अपने सदस्यों के बीच एकता और सद्भाव के मूल आधार पर की गई थी, जो सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा में व्यक्त की गई थी, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने सदस्यों की एकजुटता पर निर्भर करती है ह्व अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस सतत विकास एवं समतामूलक विकास के एजेंडा पर आधारित है, जो अपने आप में गरीबी, भूख और बीमारी जैसे कई दुर्बल पहलुओं से लोगों को बाहर निकालने के लिए केंद्रित है। ह्यमिलेनियम डिक्लेरेशनह्ल को ध्यान में रखते हुए, एकजुटता को 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक माना जाता है, जिसके तहत कम से कम लाभ उठाने वाले और सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करने वाले लोग उन लोगों की मदद के योग्य होते हैं जिन्हें सबसे अधिक लाभ मिलता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा भी है कि एक व्यक्ति तब तक जीना शुरू नहीं करता जब तक वह अपनी व्यक्तिगत चिंताओं के संकीर्ण दायरे से ऊपर उठकर समस्त मानवता की व्यापक चिंताओं तक नहीं पहुंच जाता।

आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं- जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है ह्व ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानव एकता दिवस की आयोजना की गई है।

गरीबी का कारण हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि हैं, इनके दंश मानवता को मूर्च्छित कर रहे हैं एवं मानव एकता की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इस मूर्च्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा, सह-जीवन, सौहार्द, शांति और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानव एकता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है। अपने अंग-प्रत्यंग पर कहीं प्रहार होता है तो आत्मा आहत होती है। किंतु दूसरों के साथ ऐसी घटना घटित होने पर मन का एक कोना भी प्रभावित नहीं होता। यह संवेदनहीनता की निष्पत्ति है। इस संवेदनहीन मन की एक वजह सह-अस्तित्व का अभाव भी है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि हमारी मानवीय करुणा हमें एक दूसरे से जोड़ती है-दया या संरक्षण के भाव से नहीं, बल्कि ऐसे मानव के रूप में जिसने सीख लिया है कि कैसे अपने साझा दुख को भविष्य के लिए आशा में बदला जाए।

आज हम इतने संवेदनशून्य हो गये हैं कि औरों का दुःख-दर्द, अभाव, पीड़ा, औरों की आहें हमें कहीं भी पिघलाती नहीं। देश और दुनिया में निर्दोष लोगों की हत्याएं, युद्ध की विभीषिकाएं, हिंसक वारदातें, आतंकी हमले, अपहरण, जिन्दा जला देने की रक्तरंजित सूचनाएं, महिलाओं के साथ व्यभिचार-बलात्कार की वारदातें पढ़ते-देखते हैं पर मन इतना आदती बन गया कि यूं लगता है कि यह सब तो रोजमर्रा का काम है। न आंखों में आंसू छलकते हैं, न पीड़ित मानवता के साथ सहानुभूति जुड़ती है। न सहयोग की भावना जागती है और न नृशंस क्रूरता पर खून खौलता हैं। हमें सिर्फ स्वयं को बचाने की चिन्ता है। तभी औरों का शोषण करते हुए नहीं सकुचाते। हमें संवेदना को जगाना होगा। तभी जे.के. राउलिंग ने कहा भी है कि हमें दुनिया को बदलने के लिये जादू की आवश्यकता नहीं है। हम बस मानव की सेवा करके ऐसा आसानी से कर सकते हैं ह्व इसी मानव-सेवा की मूल भावना मानव एकता दिवस का हार्द है। है। यह दिन वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में दुनिया भर के लोगों की एकता, सहयोग और साझा जिम्मेदारी के महत्व पर जोर देता है। इस दिन को मनाकर मानव को एकजुटता में रखकर एक साथ काम करने और सभी के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने का संदेश दिया जाता है।

सामाजिक मूल्य-परिवर्तन और मानदंडों की प्रस्थापना से लोकचेतना में परिष्कार हो सकता है। इस दृष्टि से विश्व मानव एकता दिवस की उपयोगिता बढ़-चढ़ कर सामने आ रही है। जब तक दुनिया अस्तित्व में है, अन्याय और अत्याचार होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन जो लोग सक्षम और समर्थ हैं, उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि वे लोग अपने से निर्बल लोगों को भी स्नेह दें। हर साल, आपदाओं एवं मानव-भूलों से लाखों लोगों विशेषतः दुनिया के सबसे गरीब, सबसे हाशिए पर आ गये लोग और कमजोर व्यक्तियों को अपार दुःख का सामना करना पड़ता है। मानवतावादी सहायताकर्मी इन आपदा प्रभावित समुदायों एवं लोगों को राष्ट्रीयता, सामाजिक समूह, धर्म, लिंग, जाति या किसी अन्य कारक के आधार पर भेदभाव के बिना जीवन बचाने में सहायता और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रदान करने का प्रयास करते हैं। वे सभी संस्कृतियों, विचारधाराओं और पृष्ठभूमि को प्रतिबिंबित करते हैं और मानवतावाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से वे एकजुट हो जाते हैं। इस तरह की मानवतावादी सहायता मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता और स्वतंत्रता सहित कई संस्थापक सिद्धांतों पर आधारित है। आज अनुभव किया जा रहा है कि देश एवं दुनिया विकृतियों की शूली पर चढ़ा है। नैतिक मूल्यों के आधार पर ही मनुष्य उच्चता का अनुभव कर सकता है और मानवीय प्रकाश पा सकता है। मानव एकता का प्रकाश सार्वकालिक, सार्वदेशिक, और सार्वजनिक है। इस प्रकाश का जितनी व्यापकता से विस्तार होगा, मानव समाज का उतना ही भला होगा। इसके लिए तात्कालिक और बहुकालिक योजनाओं का निर्माण कर उनकी क्रियान्विति से प्रतिबद्ध रहना जरूरी है। यही विश्व मानव एकता दिवस मनाने को सार्थक बना सकता है।

मकर संक्रांति पर खतरनाक चीनी मांझा- सरकार को अभी से जागृत होने की जरुरत है।

अशोक भाटिया

हमें केवल चीन से ही नहीं चीनी मांझे से भी दूर रहना है। 15 जनवरी को मकर संक्रांति है। मकर संक्रांति तिल गुड़ की मिठास के साथ पतंगबाजी के उत्साह से भरा पर्व है। इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है।पूरा बाजार पतंगों से पटता जा रहा है। ऐसे में अभी से भी पतंग उड़ाने की शुरूवात हो चुकी हो। ये आप भी जानते हैं कि कैसे देश वासियों में पतंग उड़ाने का जुनूनी शौक है। देश में कैसे मकर संक्राति के मौके पर पूरा आसमान विभिन्न आकारों की रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है, महाराष्ट्र में तो अभी से लेकर जनवरी तक यह शौक फरमाया जाता है। ये किसी भी छिपी नहीं है। पतंगबाजी का यह शौक आज इसलिए खतरनाक होता जा रहा है क्योंकि पतंगबाज चीनी मांझा का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह मांझा न सिर्फ पतंग बल्कि लोगों की जिंदगी भी डोर भी काट रहा है।

गत वर्ष ही घर आने-जाने के दौरान मुंबई के डिंडोशी पुलिस में तैनात एक पुलिसकर्मी का गला मांझे से कट गयाथा, जिससे उसकी मौत हो गई इन शिकायतो के बाद ही पिछले दिनों में शहर के कम से कम पांच पुलिस स्टेशनों ने चीनी मांझा बेचते, स्टॉक करते या उपयोग करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए। गौरतलब हो कि खेरवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी चली गई थी जब वकोला फ्लाईओवर से लटके चीनी मांझे से उनका गला कट गया। जवाब में खेरवाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 304-ए के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने चीनी मांझा की बिक्री और खरीद में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने प्रयास तेज कर दिए। लोगों का कहना है कि यह त्वरित कार्यवाई हुई है जबकि चीनी मांजा तो वर्षों से बाजार में बिक रहा है। नायलॉन की डोर से पतंग उड़ाते हुए पकड़े गए दो भाइयों को खेरवाड़ी पुलिस ने पकड़ लिया और उन्हें डोर बेचने वाले दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया है। बांगुर नगर पुलिस ने 56 वर्षीय एक महिला को बेचने के इरादे से मांझा जमा करने के आरोप में हिरासत में लिया। इसके अतिरिक्त डिंडोशी पुलिस ने 19 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया मालवणी पुलिस ने 36 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया, और सहार पुलिस ने मांजा बेचने के लिए 70 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया। सभी आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 336 के तहत आरोप लगाए गए हैं।कुछ समय पूर्व चीनी मांझे की चपेट में आने से अभिनव नाम का एक लड़का बुरी तरह घायल हो गया, जिसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह लड़का अभी भी अस्पताल में भर्ती है जहां उनकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

ऐसा नहीं है इस तरह की ये पहली घटनाए है। कई सालों से इस तरह की कई दर्दनाक घटनाएं हो चुकी है। पिछले वर्ष भी बाइक पर सवार एक व्यक्ति चीनी मांझा से उस समय घायल हो गया जब वह फ्लाईओवर से गुजर रहा था। बाइक चलाते समय मांझा उसके गले में लिपट गया। मांझा की चपेट में आने से उसके गले में करीब 2 इंच गहरा घाव हो गया। इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। चाइनीज मांझा से हुआ यह पहला हादसा नहीं था। चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं।

आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है।

अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक क्यों है और एक पतला धागा लोगों की जान कैसे ले सकता है? इसका कारण यह है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य मांझा कपास का बना होता है, लेकिन चीनी मांझा नायलॉन और अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। यह मांजा कांच, लोहे के पाउडर और कई अन्य रसायनों के साथ लेपित है। इस वजह से मांझा और भी तीखा और जानलेवा हो जाता है। चाइनीज मांझा साधारण मांझा की जगह स्ट्रेचेबल होता है यानी टूटने की बजाय खिंचता रहता है। इतना ही नहीं चीनी मांझा में धातु के चूर्ण के प्रयोग से यह विद्युत का सुचालक होता है, अर्थात इसमें से करंट प्रवाहित हो सकता है और इसलिए बिजली के झटके का खतरा रहता है, लेकिन इसके खतरों से वाकिफ होने के बावजूद आज बाजार में इसकी काफी मांग है, क्योंकि जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो चाहते हैं कि उनकी पतंग न कट जाए और वे दूसरों की ज्यादा से ज्यादा पतंगें काट सकें।

साल 2017 में NGT यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इस मांझा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पर्यावरण विभाग के तहत 10 जनवरी 2017 को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार पतंगबाजी के लिए नायलॉन, प्लास्टिक और किसी भी तरह की सिंथेटिक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा कांच, धातु या अन्य नुकीली चीजों से बने धागों पर भी पतंग उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। नियम के मुताबिक, सूती धागे से बने धागों से पतंग उड़ाई जा सकती है, लेकिन इनमें भी किसी न किसी तरह का धागा होता है, तेज वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन कड़ी सजा के साथ दंडनीय है। अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक के जुमार्ने से भी दंडित किया जा सकता है।

इतने सख्त नियम होने के बावजूद आज देश भर में में चीनी मांझा का कारोबार फलफूल रहा है। व्यवसायी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और इन घातक मांझा को लोगों को बेच रहे हैं, और खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। मांझा के व्यापारी पुलिस को चकमा देने के लिए हाईटेक तरीके अपना रहे हैं और इसके लिए फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह मांजा इतना खतरनाक होता है कि अगर तेज रफ्तार से चलने वाला व्यक्ति इसकी चपेट में आ जाए तो यह न केवल त्वचा या नसों को बल्कि उसकी मांसपेशियों को भी काटकर हड्डियों तक पहुंच सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद चीनी मांझे के पीड़ितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

कई राज्यों में राज्य सरकारों ने चाइनीज मांझे पर बैन लगा चुकी है और प्रशासन को कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। हर साल पंतग के सीजन के दौरान चाइनीज मांझे का जिक्र होता है पर बाद में लोग व शासन इसे भूल जाता है। कई लोगों का मानना है कि यह मांझा चीन से आता है और अब चीनी सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है, इसलिए इस पर बैन लगाया गया है। जानकारों की मानें तो अब मांझा चीन से नहीं बल्कि तेज धार के साथ इंडिया में भी बन रहा है। सूत्रों का कहना है कि मुंबई में मांझे की फैक्ट्रियां नहीं हैं। मुंबई में बाहर से चोरी चुपके लाया जाता है। यह मांझा प्लास्टिक का बना होता है। काफी मजबूत है। चाइनीज मांझे को मेटलिक कोटिंग से तैयार किया जाता है। चाइनीज मांझे की कई वैरायटी बन रही हैं। इसे बनाने में अधिकतर केमिकल और अन्य धातुओं का इस्तेमाल हो रहा है। इनमें शीशा, वज्रम गोंद, मैदा, एल्युमीनियम ऑक्साइड और जिरकोनिया ऑक्साइड शामिल है। इन सभी चीजों के मिक्स होने पर तेज धार वाला चाइनीज मांझा तैयार होता है। यह आसानी से टूटता नहीं है। इसमें ब्लेड जैसी धार होती है। वैसे बाजार में मिलने वाले सभी मांझे घातक होते हैं, लेकिन इनमें चाइनीज मांझा सबसे खतरनाक साबित है।

पुलिस हर साल समय समय पर मांझे को लेकर नोटिफिकेशन जारी करती है। जहां भी बिक्री होती है, पुलिस एक्शन लेती है। चूंकि पतंग कटने के बाद हवा में उड़ता हुआ मांझा हादसे की वजह बनता है। ऐसे में पुलिस के सामने पतंग उड़ाने वाले का पता करना बड़ी चुनौती होती है। आखिर यह पतंग कहां से कटकर आई है। कौन उड़ा रहा था। अगर किसी को चाइनीज मांझे की बिक्री के बारे में पता चले तो फौरन पुलिस को सूचना देना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि राज्य सरकार ने चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह बैन लगाया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी राज्य सरकार ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर बैन लगा दिया था। मकर सक्रांति के अवसर पर राज्य के कई जिलों में लोगों की मौत की खबरें भी सामने आई थीं। इसके बाद राज्य सरकार ने चाइनीज मांझे की बिक्री और खरीद पर रोक लगा दी थी। इस बार भी राज्य सरकार ने मकर सक्रांति के अवसर पर चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक लगा दी है पर पतंगबाज नहीं सुधर रहे और न ही बेचने वाले, सो सरकार को अभी से जागृत होने की जरुरत है।

समान नागरिक संहिता के लिए बीजेपी का नया प्लान, संसद से नहीं विधानसभा से होगा लागू

-अजय कुमार

-अजय कुमार

बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए ?एक देश, एक चुनाव? की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए थे।

अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक संहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा संविधान समान नागरिक संहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, संपत्ति के बंटवारे और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना है। वर्तमान में, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पारिवारिक मामलों का हल करते हैं, लेकिन समान नागरिक संहिता के लागू होने से सभी समुदायों के लिए एक समान कानून होगा। बीजेपी ने इस मुद्दे को जनसंघ के समय से उठाया था, और पार्टी का मानना है कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे पर कई बार अपनी राय दी है। उन्होंने संविधान पर चर्चा के दौरान सेकुलर सिविल कोड के संवैधानिक महत्व की बात की और संकेत दिए कि सरकार समान नागरिक संहिता लाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले के प्रचीर से भी यह कहा था कि जिन कानूनों से देश को धर्म के आधार पर बांटा जाता है, उन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, देश को एक सेकुलर सिविल कोड की आवश्यकता है, और गलत कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं है।

इस संदर्भ में अमित शाह ने उत्तराखंड की तर्ज पर अन्य बीजेपी शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने के लिए विधानसभा के रास्ते पर आगे बढ़ा जाएगा। इस रणनीति के तहत, बीजेपी पहले उत्तराखंड में यूसीसी को लागू कर चुकी है, और अब दूसरे बीजेपी शासित राज्यों में इसे लागू करने की योजना बनाई जा रही है। उत्तराखंड में बीजेपी ने विधानसभा चुनावों के दौरान यूसीसी को लागू करने का वादा किया था, और सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस पर अमल किया। उत्तराखंड में पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई थी, जिसने यूसीसी के लिए सिफारिशें दीं, और उसके आधार पर राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की गई। उत्तराखंड के बाद अब असम की बीजेपी सरकार भी समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी कर रही है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में इस बात का ऐलान किया था। राजस्थान और गुजरात जैसी राज्य सरकारें भी यूसीसी को लागू करने के पक्ष में हैं, और उनकी योजनाओं के तहत इस दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इन राज्यों में बीजेपी अपने शासित क्षेत्रों में यूसीसी को लागू करने में सफल हो सकती है, और इस तरह से पार्टी देश के बड़े हिस्से में समान नागरिक संहिता को लागू करने का मॉडल पेश कर सकती है।

बीजेपी के लिए यह रणनीति महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके जरिए वह न केवल अपने शासित राज्यों में यूसीसी लागू कर सकती है, बल्कि वह अन्य विपक्षी दलों पर भी सियासी दबाव बना सकती है। यूपी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, असम, गोवा, गुजरात, ओडिशा, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं। इनमें से गोवा में पहले से ही यूसीसी लागू है, और उत्तराखंड में भी इसे लागू किया जा चुका है। यदि बीजेपी इन राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने में सफल हो जाती है, तो यह पूरे देश के लिए एक मिसाल बन सकता है।

हालांकि, इस प्रक्रिया में कुछ चुनौतियां भी हैं। एनडीए के कई सहयोगी दल, जैसे जेडीयू और टीडीपी, इस मुद्दे पर बीजेपी के साथ नहीं हैं। इसके अलावा, बीजेपी को संसद में यूसीसी के बिल को पास करने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान में मुश्किल प्रतीत हो रही है। मुस्लिम वोटों की सियासी मजबूरी के कारण जेडीयू और टीडीपी इस मुद्दे पर बीजेपी का समर्थन नहीं कर सकते। इसलिए, बीजेपी ने संसद के बजाय विधानसभा का रूट अपनाने का निर्णय लिया है, ताकि राज्यों में इसे लागू करने का रास्ता तैयार किया जा सके। इस रणनीति के जरिए बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने का प्रयास करेगी, और इसके बाद अन्य राज्यों में भी इसे लागू करने के लिए दबाव डाला जाएगा। यह बीजेपी के लिए एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, क्योंकि इससे पार्टी अपनी धर्मनिरपेक्षता और समानता के एजेंडे को साकार कर सकेगी। इसके साथ ही, बीजेपी अपने सहयोगी दलों को भी इस मुद्दे पर विश्वास में लेकर सियासी फायदे की दिशा में बढ़ सकती है।

बीजेपी की सरकारों को यह मौका मिलेगा कि वे अपने शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करके उदाहरण प्रस्तुत कर सकें। अगर ये राज्यों में सफलतापूर्वक लागू हो जाती है, तो यह राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी बदलाव का संकेत होगा, और फिर बीजेपी अन्य राज्यों को भी इसे लागू करने के लिए प्रेरित कर सकती है। इस प्रकार, समान नागरिक संहिता का मुद्दा बीजेपी के लिए न केवल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक एजेंडा है, बल्कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता की दिशा में एक अहम कदम भी हो सकता है। अगर बीजेपी शासित राज्यों में यह प्रक्रिया सफल हो जाती है, तो यूसीसी को लागू करने के लिए विपक्षी दलों पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर उन दलों पर जो मुस्लिम वोट बैंक को लेकर चिंतित रहते हैं। बीजेपी अपने शासित राज्यों को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जिससे यह साबित हो सके कि समान नागरिक संहिता सभी समुदायों के हित में है और समाज में समानता लाने में मददगार है। इससे पार्टी अपने सहयोगी दलों और विपक्षी दलों को भी इस मुद्दे पर मजबूर कर सकती है, और फिर इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का रास्ता खोल सकती है। इस प्रकार, बीजेपी अपने शासित राज्यों के जरिए देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में प्रभावी कदम उठा सकती है, जो अंततः देश को एक समान और धर्मनिरपेक्ष समाज की ओर ले जाने में मदद करेगा।

हरियाणा के पिछड़े वर्ग का चेहरा कैबिनेट मंत्री 'रणबीर गंगवा'

-प्रियंका सौरभ

बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति उनके समर्पण से देखा जा सकता है। इनके काम ने किसानों के समर्थन पर विशेष ध्यान देने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में काफी सुधार किया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता और नेता के रूप में ये समुदाय की मदद करने और बरवाला में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। ये अपने क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए स्थानीय परियोजनाओं पर काम करते हैं। रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हिसार जिले के गंगवा गाँव में हुआ। इनके पिता का नाम राजाराम और माता का नाम केसर देवी है। पत्नी अंगूरी देवी से इनकी शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी। इनकी दो बेटे सुरेंद्र गंगवा और संजीव गंगवा हैं। 34 साल की राजनीतिक यात्रा में इन्होने कैबिनेट मंत्री के पद तक का ऐतिहासिक सफर तय किया है।

गंगवा ने राजनीति की शुरूआत अपने गाँव गंगवा से की थी, जहाँ उन्होंने पंच का चुनाव जीता था। इन्होंने हिसार जिले की बरवाला विधानसभा क्षेत्र में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के 'कमल खिलाने' का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। रणबीर गंगवा ने 1990 में 26 साल की उम्र में अपने गाँव में पंच का चुनाव लड़ा था, जहाँ से उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरूआत की। 2024 में बीजेपी ने उन्हें नलवा की बजाय बरवाला विधानसभा से उम्मीदवार बनाया, जहाँ उन्होंने पहली बार पार्टी को जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक जीत में उनकी इस यात्रा में कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष का सामना करने की उनकी क्षमता विजय गान करती नजर आती है। पिछले कुछ वर्षों में, 60 वर्षीय रणबीर गंगवा हरियाणा की सत्तारूढ़ भाजपा में पिछड़े वर्ग का एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं। नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में इनको सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और सार्वजनिक निर्माण (भवन और सड़कें) विभाग दिया गया है।

रणबीर गंगवा वर्ष 2000 में लम्बी राजनीति के सफर में शामिल हुए जब वह हिसार ज़िला परिषद के लिए चुने गए। 2005 में वे पुनः निर्वाचित हुए और इसके उपाध्यक्ष बने। चार साल बाद पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने इनको इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के टिकट पर नलवा विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा। हालांकि, कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व मंत्री संपत सिंह चुनाव जीत गए। बाद में, गंगवा 2010 में आईएनएलडी के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। 2014 में, पार्टी ने इनको फिर से नलवा विधानसभा सीट से मैदान में उतारा और इन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन को हराया। 2018 में इनेलो के विभाजन के बाद, गंगवा 2019 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए। ये नलवा से चुने गए और बाद में विधानसभा में डिप्टी स्पीकर बने। इस बार ये फिर से विधानसभा के लिए चुने गए।

बरवाला निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधायिका के सदस्य रणबीर सिंह गंगवा बरवाला में बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा को बदलने के लिए समर्पित हैं और अपने नेतृत्व कौशल का उपयोग करके खुद को निर्वाचन क्षेत्र में एक सम्मानित व्यक्ति और ओजस्वी नेता के रूप में स्थापित कर रहे हैं। सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने तथा किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण की वकालत करने के प्रति इनकी प्रतिबद्धता ने इनको समुदाय से सराहना और समर्थन दिलाया है। बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति इनके समर्पण से पहचाना जा सकता है। इनको काम ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसमें किसानों को सहायता देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। रणबीर गंगवा का राजनीतिक जीवन वित्तीय मुद्दों के बारे में पारदर्शिता पर जोर देता है।

इन्होंने 34 साल की राजनीतिक यात्रा में एक साफ-सुथरा रिकॉर्ड बनाए रखा है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है। इनकी घोषित संपत्ति और देनदारियाँ राजनीतिक नेतृत्व में इनकी ईमानदारी को दशार्ती हैं। इनकी पारदर्शिता का स्तर मतदाताओं को यह विश्वास दिलाता है कि रणबीर गंगवा अपने वित्तीय लेन-देन का स्पष्ट विवरण देने के लिए समर्पित हैं, जो सार्वजनिक सेवा में एक आवश्यक गुण है। इनकी संपत्ति के प्राथमिक स्रोतों में कृषि भूमि, आवासीय संपत्तियाँ और कुछ व्यक्तिगत होल्डिंग्स शामिल हैं, जिनका इनके चुनावी हलफनामों में खुले तौर पर खुलासा किया गया है। कृषि प्रगति और ग्रामीण कल्याण सुधार के साथ-साथ इन्होंने बरवाला निवासियों के मानकों को ऊपर उठाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया है।इन्होंने ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से कृषि के विकास में बहुत मदद की है। हम खुले तौर पर ये कह सकते है कि हरियाणा के वर्तमान कैबिनेट मंत्री हरियाणा के पिछड़ा वर्ग ही नहीं सम्पूर्ण हरियाणा के विकास में अपने कुशल नेतृत्व के दम पर नए आयाम स्थापित करेंगे।

ओबीसी समाज के बड़े लीडर रणबीर गंगवा विशेष रूप से 'प्रजापति समाज' में अच्छी पकड़ रखते हैं। गंगवा पिछड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने के लिए जाने जाते हैं। 34 साल की राजनीतिक यात्रा में इन्होने कैबिनेट मंत्री के पद तक का सफर तय किया है। गंगवा ने राजनीति की शुरूआत अपने गाँव गंगवा से की थी, जहाँ उन्होंने पंच का चुनाव जीता था। कृषि प्रगति और ग्रामीण कल्याण सुधार के साथ इन्होंने अपना सारा ध्यान बरवाला निवासियों के मानकों को ऊपर उठाने पर केंद्रित किया है। इन्होंने ग्रामीण समुदायों के लिए विशेषकर कृषि के विकास में बहुत मदद की है। बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति उनके समर्पण से पहचाना जा सकता है। उनके काम ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसमें किसानों को सहायता देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

कार्यालय के अंतर्गत शिकायत निवारण समिति की स्थापना कर सूचना ऑनलाइन पोस्ट की जाए

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग ने पालघर जिले के प्रत्येक कार्यालय में जहां 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, एक आंतरिक शिकायत समिति स्थापित करने और इसके बारे में जानकारी ऑनलाइन करने का आह्वान किया है। समिति में कार्यालय की एक वरिष्ठ महिला अध्यक्ष, स्टाफ सदस्यों में से कम से कम दो सदस्य जो महिलाओं के मुद्दों के लिए प्रतिबद्ध हों या जिनके पास सामाजिक कार्य अनुभव और कानून का ज्ञान हो, और एक सदस्य गैर-सरकारी संगठन से या कोई परिचित व्यक्ति होना चाहिए। यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के साथ. समिति में कम से कम 50 प्रतिशत सदस्य महिलाएँ होंगी तथा समिति का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। शासन स्तर पर आंतरिक शिकायत समिति की जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए प्रत्येक कार्यालय के अंतर्गत शिकायत समिति स्थापना करने की जानकारी जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय, प्रशासनिक भवन अ कक्ष क्र. 108 जिला अधिकारी कार्यालय परिसर, पालघर (dwc-dopalghar@gmail.com) पर जमा करना आवश्यक है। जिन कार्यालयों में 10 से कम कर्मचारी कार्यरत हैं वे अपनी शिकायतें स्थानीय शिकायत समिति, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय, पालघर में दर्ज कराएं। ऐसा आह्वान महिला व बाल विकास विभाग द्वारा किया गया है।

पोको ने M7 Pro 5G और पोको C75 5G स्मार्टफोन लॉन्च किए

मुंबई। भारत के सबसे लोकप्रिय और तेजी से बढ़ते कंज्यूमर टेक ब्रांड पोको ने साल का शानदार समापन करते हुए दो नए स्मार्टफोन पोको M7 Pro 5G और पोको C75 5G लॉन्च किए हैं। इन स्मार्टफोन्स को अपने-अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। ये डिवाइस बेहतरीन डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस और किफायती कीमत के साथ स्मार्टफोन के नए मानक तय करते हैं। पोको इंडिया के कंट्री हेड हिमांशु टंडन ने इस मौके पर कहा, पोको में हमारा लक्ष्य हमेशा ऐसी तकनीक पेश करना है, जो सभी के लिए सुलभ और उपयोगी हो। उन्होंने बताया कि पोको M7 Pro 5G एक पावरफुल मिड-रेंज स्मार्टफोन है, जिसमें सेगमेंट का सबसे चमकदार AMOLED डिस्प्ले, शानदार ऑडियो क्वालिटी और फ्लैगशिप-ग्रेड कैमरा दिया गया है। वहीं, पोको C75 5G भारत का सबसे किफायती 5G स्मार्टफोन है, जिसमें खासतौर पर सोनी का कैमरा सेंसर लगा है। उन्होंने आगे कहा, इन नए लॉन्च के साथ पोको अपने वादे को दोहराता है कि हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन तकनीक और फीचर्स को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराते रहेंगे। पोको M7 Pro 5G लूनर डस्ट, लैवेंडर फ्रोस्ट और ओलिव ट्विलाइट इन तीन शानदार और आकर्षक रंगों में आता है। यह फोन न केवल शक्तिशाली परफॉर्मेंस देता है, बल्कि इसका स्टाइलिश और प्रीमियम लुक भी इसे खास बनाता है। पोको M7 Pro 5G आपके लिए स्टाइल, परफॉर्मेंस और ड्यूरेबिलिटी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।अगर आप बैंक डिस्काउंट (एसबीआई/एचडीएफसी/आईसीआईसीआई) या 1000 रुपये के एक्सचेंज ऑफर का फायदा उठाते हैं, साथ ही तीन महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प चुनते हैं, तो आप पोको M7 Pro 5G को सिर्फ 13,999 रुपये की खास लॉन्च कीमत पर खरीद सकते हैं।

WOW स्किन साइंस से जुड़े टियर 2 और छोटे शहरों के 10 लाख नए ग्राहक

मुंबई/पटना। WOW स्किन साइंस जो पर्सनल केयर और वेलनेस जगत की जानी मानी कंपनी है। वह अब भारत के टियर-2 और अन्य छोटे शहरों में अपने पैर फैला रही है। अपनी रणनीतिक साझेदारी के चलते पिछले एक साल में हडह स्किन साइंस से टियर-2 और उससे छोटे शहरों के लगभग 10 लाख नए ग्राहक जुड़े हैं। जो इस बात का सबूत है कि उभरते बाजारों में इसके प्राकृतिक प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले 12 महीनों में कंपनी का मीशो पर सालाना राजस्व में 5 गुना बढ़ोतरी का लक्ष्य है। इस साझेदारी के कारण WOW स्किन साइंस ने टियर-2 और छोटे शहरों से मिलने वाले ऑर्डर्स में 10 गुना बढ़ोतरी करी है। यह बढ़ोतरी परफ्यूम, फेसवॉश, सीरम, क्रीम, सनस्क्रीन, शैंपू, हेयर ऑयल, एलोवेरा जेल और हेल्थ ड्रिंक्स जैसे प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग के कारण हुई है। WOW स्किन साइंस के को-फाउंडर मनीष चौधरी ने बताया कि, मीशो के साथ हुई हमारी साझेदारी के कारण हमें विकास करने का सुनहरा मौका मिला हैं। साथ ही टियर-2 और उनसे छोटे शहरों में मजबूत ब्रांड निष्ठा बनाने में भी बहुत मदद मिली है। मीशो से लगातार खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष छूट और चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स के जरिए, हम लाखों नए ग्राहकों तक अच्छी क्वॉलिटी वाले पर्सनल केयर समाधान पहुंचा रहे हैं। पिछले एक साल में, इस सहयोग के कारण इन क्षेत्रों से ऑर्डर्स में 10 गुना बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह साफ झलकता है, की टियर-2 के बाजारों में अपार क्षमता है। मीशो की बिजनेस जनरल मैनेजर मेघा अग्रवाल ने कहा कि, मीशो में हम प्रतिबद्ध है, की हडह स्किन साइंस जैसे ब्रांड्स को हम पूरे भारत में ग्राहकों तक पहुंचा कर उनसे जोड़ सके। हमारे प्लेटफॉर्म की टियर-2 और छोटे शहरों में फैली पहुंच ब्रांड्स को उन लाखों ग्राहकों से जोड़ने में सक्षम बनाती है, जो किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता वाले और भरोसेमंद पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की तलाश में रहते हैं।

क्रिसमस मनाएं फॉरएवरमार्क सिग्नेचर कलेक्शन के साथ

मुंबई/पटना। जैसे-जैसे 25 दिसंबर नजदीक आ रहा है, दुनिया क्रिसमस के आनंदमय उत्सव के लिए तैयार हो रही है, प्रत्येक क्षेत्र उत्सव में अपना विशिष्ट आकर्षण भर रहा है। आम तौर पर लोग क्रिसमस का जश्न उपहारों का आदान-प्रदान करके, अपने घरों को सजाकर मनाते हैं। इस खास दिन मौज-मस्ती करने, प्यार करने, देने और पाने का मौसम है। इस क्रिसमस मनाएं फॉरएवरमार्क सिग्नेचर कलेक्शन के साथ ! फॉरएवरमार्क के पास अपने सिग्नेचर कलेक्शन- सेटिंग, टूगेदर और मिलमोई में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। हर पीस में खूबसूरती, दुर्लभता और जिम्मेदारी से सोर्स किए गए हीरे हैं। फॉरएवरमार्क सेटिंग कलेक्शन सरल। आकर्षक। शानदार। फॉरएवरमार्क सेटिंगड्ड कलेक्शन हीरे पर स्पॉटलाइट डालता है। स्लीक सॉलिटेयर पेंडेंट, क्लासिक स्टड इयररिंग्स और अकेले चमकने वाली अंगूठियों के बारे में सोचें। साफ-सुथरे, आधुनिक वाइब को पसंद करने वाले के लिए बिल्कुल सही है।

फॉरएवरमार्क सेटिंग पीस को उपहार में दें, जो आधुनिक और शाश्वत दोनों तरह के प्यार को दर्शाता है। टूगेदर कलेक्शन दो दिलों को एक साथ धड़कते हुए श्रद्धांजलि, यह कलेक्शन कनेक्शन का संदेश देता है। कि साथ में जीवन अधिक आनंदमय है। अंगूठियां, पेंडेंट और कंगन जो कहते हैं, हम एक ही टीम में हैं। इसे पार्टनर, सोलमेट या किसी ऐसे व्यक्ति को उपहार में दें जो आपकी दुनिया को उज्जवल बनाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ॲटॉप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रईस हाई स्कूल के वार्षिक खेल कूद स्पर्धा का रंगारंग शुभारम्भ समारोह का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। रईस हाई स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार उद्घाटन समारोह का आयोजन धूमधाम से संपन्न किया गया। विद्यार्थियों ने खेल कूद का बहुत शानदार प्रदर्शन किया है। छात्रों के सराहनीय प्रदर्शन से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ.मुझे मेरा बचपन याद आ गया।छात्रों के प्रदर्शन की जितनी सराहना की जाय कम है। उक्त शब्दों का उदगार रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के वार्षिक खेल कूद स्पर्धा के रंगा रंग उद्घाटन के मुख्य अतिथि पूर्व डायरेक्टर, अकाउंट एन्ड ट्रेजरी महाराष्ट्र शासन,सादिक कादरी ने अपने भाषण के दोरान व्यक्त किया। ग्रीन,यलो,ब्लू और रेड हॉउस के दरम्यान होने वाले मुकाबलों में विशेष अतिथि के रूप में इंजीनियर मोहसिन अब्दुल अजीज जाटू उपस्थित थे। इनके आलावा के.एम.ई .सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह, उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे,रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर तातली,स्पोर्ट्स कमेटी चेयरमैन दानिश मदू,इंजीनियर दुर्राज कामनकर सहित सोसायटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य तथा शहर के खेल प्रेमी, अभिभावक, प्रधानाचार्य, अध्यापक एवं भारी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थीं। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया तथा पुष्प गुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों के हाथों विद्यालय का ध्वजारोहण, कबूतर की परवाज,आसमान में गुब्बारे छोड़ने के बाद मशाल प्रज्वलित की गयी जिसे लेकर छात्रों ने मैदान का चक्कर लगाकर खेल कूद स्पर्धा का शुभारंभ किया। छात्रों ने पंगारकर सर के मार्गदर्शन में मार्चपास्ट के जरिये मेहमानों को सलामी पेश की। इकरा शेख और अख्तर मोमिन के मार्गदर्शन में जूनियर कालेज की छात्राओ ने सेल्फ डिफेंस और जिमनास्टिक का सराहनीय प्रदर्शन तथा मुसैयब सर के निर्देशन में टैबलो(हम हैं चैम्पियन)प्रस्तुत किया। तदोपरांत हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के छात्रों ने पी.टी,हरडिल रेस, पिरामिड और मार्शल आर्ट,रस्सा कशी, आदि प्रस्तुत करके उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।उपस्थित लोगों ने तालियाँ बजा कर छात्रों का मनोबल बढाया। छठवीं कक्षा के छात्र शेख मोहम्मद सादिक ने छात्रों को इमानदाराना तरीके से खेल की परम्परा को कायम रखने की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी सहित सभी मेहमानों ने अपने संबोधन में छात्रों के प्रदर्शन को सराहा तथा छात्रों एवं उनका मार्गदर्शन करने वाले अध्यापकों को बधाई दी।समारोह का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सहायक मुख्यध्यापक मुखलिस मदू ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जाकिरअंसारी,अब्दुल लतीफ पंगारकर,एजाज हाश्मी मुसैयब मोमिन, शाकिरशेख, शाह आयशा एवं सम्पूर्ण स्टाफ का सहयोग शामिल रहा।अंसारी सुमबुल द्वारा राष्ट्र गान पढ़ने के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

मामूली विवाद में मारपीट और चाकू बाजी, एक व्यक्ति घायल

भिवंडी। भिवंडी फातिमा नगर अनमोल होटल के पास रात में हुए मामूली विवाद में इगो का पारा चढ़नें से आपसी तूं तूं मैं मै के बाद अचानक हिंसक रूप पकड़ लिया। देखते ही देखते झगड़े में परिवर्तित हो गया। इस झगडे.को लेकर हुये मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। इसके बाद आरोपियों ने परिवार पर हमला किए जाने और जान से मारने की धमकी भी दी है।

शांतिनगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।पुलिस के अनुशार फातमा नगर के रहने वाले सादिक अली के छोटे भाई माजिद का अनमोल होटल के पास शाहबाज शहा, फारूक शेख,सुफियान अंसारी और सदरे नामक व्यक्तियों से मामूली विवाद हो गया था। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि इन चारों ने पहले माजिद पर हमला किया और फिर मजीद को शाहबाज शहा ने चाकू घोंप दी। सादिक अली का कहना है कि विवाद के बाद आरोपियों ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी है। इस घटना से परिवार वाले डरा हुआ मसूस कर रहे है।शांतिनगर पुलिस ने सादिक अली की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ११८(१), ११५(२), ३५१(२) और ३५२(३)(५) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

आईपीआरएस ने कुआलालंपुर में सीआईएसएसी-एपीएमए सम्मेलन में सांस्कृतिक बंधन का जश्न मनाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इस सप्ताह, एशिया-प्रशांत क्षेत्र से रॉयल्टी संग्रह एजेंसियां वार्षिक सीआईएसएसी और एपीएमए सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर, मलेशिया में बुलाई गईं। इस कार्यक्रम ने एक विशेष मील का पत्थर भी चिह्नित किया। मलेशियाई सिस्टर सोसाइटी, म्यूजिक ऑथर्स कॉपीराइट प्रोटेक्शन बरहाद की 35वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर को मनाने के लिए, इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी लिमिटेड (#आईपीआरएस) के अध्यक्ष श्री जावेद अख्तर और आईपीआरएस के सीईओ श्री राकेश निगम ने एमएसीपीके अध्यक्ष को विद्या की देवी मां सरस्वती की एक शानदार संगमरमर की मूर्ति भेंट की। कला और संगीत संरक्षक यह भाव सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने और क्षेत्र की साझा कलात्मक विरासत का सम्मान करने के लिए आईपीआरएस के समर्पण का प्रतीक है। समारोह के दौरान, श्री जावेद अख्तर ने रचनात्मकता और ज्ञान के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में भारतीय संस्कृति में सरस्वती देवी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने एशिया में कॉपीराइट समाजों के बीच एकता और सहयोग को रेखांकित करते हुए एमएसीपी की निरंतर सफलता और विकास के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आईपीआरएस की भागीदारी पर विचार करते हुए, गीतकार, पटकथा लेखक, अभिनेता और आईपीआरएस बोर्ड के सदस्य मयूर पुरी ने कहा, यह सम्मेलन सीमाओं के पार रचनाकारों की एकता का एक प्रमाण है। हमारी साझा कलात्मक विरासत का सम्मान करके, हम न केवल हमारे समर्पण की पुष्टि करते हैं रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करना, बल्कि हमारे क्षेत्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करना भी हमारी जिम्मेदारी है। मां सरस्वती की प्रतिमा की प्रस्तुति स्थायी सांस्कृतिक निर्माण के साथ-साथ रचनात्मकता और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए आईपीआरएस की प्रतिबद्धता का प्रतीक है बांड। आईपीआरएस वैश्विक स्तर पर भारतीय संगीत रचनाकारों का प्रतिनिधित्व करने और भारतीय मूल्यों और संस्कृति को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत करने और दुनिया भर में रचनाकारों के अधिकारों को आगे बढ़ाने के अपने मिशन में दृढ़ है।

पूर्व नगरसेविका आशाताई मराठे ने महानगर गैस कार्यालय पर मोर्चा निकालने की धमकी दी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष और चेंबूर के सुभाष नगर वार्ड क्रमांक 152 की पूर्व नगर सेविका आशा सुभाष मराठे ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत करते हुए कहा कि यदि तत्काल प्रभाव से लोगों को गैस की आपूर्ति नही शुरू हुई तो हमें मजबूरन सोम्मया ग्राउंड के महानगर गैस कार्यालय पर मोर्चा निकालना ही पडेगा।बता दें कि चेंबूर सुभाष नगर में इमारत क्रमांक 47 को विघ्नहर्ता विकासक द्वारा नये सिरे से इमारत का निर्माण कार्य के दौरान पोक्लेंड से खोदाई के समय गैस पाईप लाईन टूट जाने के कारण इमारत क्रमांक ५१ और ५२ में महानगर गैस कंपनी की पाइप लाइन टूट गई है। इस कारण इमारत क्रमांक ५१और ५२ में गैस आपूर्ति खंडित हो गई है। जिसके कारण इन इमारतों में रहने वाले सैकड़ों परिवारों के समक्ष पिछले चार दिनों से उपवास करने की नौबत खड़ी हो गई है। बताया जाता है कि यहां के घरों में गैस की आपूर्ति होने से वहां के निवासियों के खाने-पीने से लेकर सुबह के चाय का इंतजाम पूर्व नगरसेविका आशाताई मराठे की तरफ से किया जा रहा है।सर्दी के मौसम में वरिष्ठ नागरिकों को स्नान के लिए गरम पानी की किल्लत भी हो गई है। बड़ी संख्या में में स्थानीय लोगों ने अपनी समस्या के समाधान के लिए सुभाष नगर में पूर्व नगरसेविका आशाताई मराठे के जनसम्पर्क कार्यालय पर पहुंचकर इस बारे में अवगत कराया। आशाताई सुभाष मराठे ने तत्पश्चात मौके पर जाकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद वहां पर मौजूद और जिम्मेदार लोगों से समस्या का समाधान के लिए बात की।

जीवन में सफल होने के लिए अपने मन में साहस पैदा करें : पुलिस उपायुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अगर आप अभी से ही बच्चों के मन में साहस, ध्येय पैदा करें तो बड़े होकर वे जिस क्षेत्र में चाहें सफलता हासिल कर सकते हैं। बच्चे आज के तंत्र ज्ञान से वाकिफ हैं। यही कारण है कि बुद्धि बल प्रतियोगिता में विश्व चैंपियन डोमराजू गुकेश ने ग्यारह साल की उम्र में विश्व चैंपियन बनने का सपना देखा था। उन्होंने अठारह साल की उम्र में यह करके दिखाया। इसलिए बच्चों के मन में बड़े होने का सपना जगाना जरूरी है। उपरोक्त बातें मुलुंड में परिमंडल सात के पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर ने कही। बता दें कि मुलुंड पूर्व में लक्ष्मीबाई इंग्लिश माध्यम हाई स्कूल के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में परिमंडल सात के पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर, ड्रामा फिल्म अभिनेत्री अमृता सुभाष, निमार्ता, निर्देशक शमिष्ठा राऊत मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 4 तक के बच्चों ने नृत्य कर अभिभावकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए वर्ष भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड और महिंद्रा कृष-ई ने भारतीय किसानों को ड्रोन छिड़काव सेवा प्रदान करने के लिए की साझेदारी

मुंबई। भारत की अग्रणी कृषि-समाधान प्रदाता कंपनी, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के कृषि उपकरण (एफईएस) व्यवसाय, कृष-ई ने आज कोरोमंडल की ड्रोन स्प्रे सेवा, ग्रोमोर ड्राइव को देश के किसानों तक पहुंचाने के लिए रणनीतिक साझेदारी करने की घोषणा की।

फिलहाल सात प्रमुख राज्यों-आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में परिचालन कर रहे ग्रोमोर ड्राइव का परिचालन आरटीपीओ प्रशिक्षित पायलटों का बेड़ा करता है। कोरोमंडल की ड्रोन सेवा का बाजार में अपना विशिष्ट स्थान है, जिसे ड्रोन आपूर्ति, पायलट प्रशिक्षण और सेवा सहायता के लिए इसकी सहायक कंपनी, दक्षा अनमैन्ड सिस्टम्स से समर्थन प्राप्त है।

इस बैकवर्ड इंटीग्रेशन (आपूर्ति श्रृंखला का नियंत्रण) से कोरोमंडल को इस उभरते बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। यह साझेदारी किसानों की आय को स्थायी रूप से बढ़ाने और कृषि मूल्य श्रृंखला का समर्थन करने के लिए कृष-ई-खेती के लिए ऐप सहित महिंद्रा के टेक्नोलॉजी-संचालित कृषि समाधानों तक पहुंच को बढ़ावा देती है।

यह साझेदारी कृष-ई-खेती के लिए ऐप के जरिये इन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाती है, साथ ही महिंद्रा के एफईएस द्वारा पेश किए गए अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि समाधानों के साथ, जिसका उद्देश्य किसानों की आय को स्थायी रूप से अधिकतम करना है।

इस रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर के बाद, कोरोमंडल का ग्रोमोर ड्राइव और महिंद्रा के कृष-ई केंद्र भारत के सभी राज्यों में किसानों को ड्रोन छिड़काव सेवा उपलब्ध कराने के लिए मिलकर काम करेंगे।

फिलिपींस में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक संशोधन ने भारतीय छात्रों के लिए मेडिकल प्रैक्टिस की राह आसान बनाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। फिलीपींस सरकार ने आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए फिलीपींस मेडिकल एक्ट में संशोधन को संसद में मंजूरी दी है, और सरकार की ओर से तीसरी एवं अंतिम मंजूरी के बाद अब विदेशी छात्रों को भी फिलीपींस में चिकित्सक के तौर पर अपनी सेवाएँ देने का अवसर मिलेगा। भारतीय छात्रों के बीच अव्वल दर्जे की उच्च गुणवत्ता वाली मेडिकल शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसे पूरा करने के साथ-साथ भारतीय छात्रों के लिए फिलीपींस में चिकित्सक के तौर पर अपनी सेवाएँ देने की राह आसान बनाने के लिए फिलीपींस में नया संशोधन, मेडिकल एक्ट पेश किया गया है। यह संशोधन किफायती लागत पर बेमिसाल गुणवत्ता वाली, और पूरी दुनिया में मान्यता प्राप्त मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय छात्रों के बढ़ते अरमानों को पूरा करता है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भारी समर्थन (184-3-0) के साथ नया कानून पारित हुआ, जिसने दशकों पुराने 1959 के मेडिकल एक्ट की जगह ली है। इसमें मेडिकल एजुकेशन काउंसिल और प्रोफेशनल रेगुलेटरी बोर्ड ऑफ मेडिसिन के गठन सहित बड़े पैमाने पर बदलावों को शामिल किया गया है। इन संस्थानों का उद्देश्य शैक्षणिक मानकों को ऊँचा उठाना, नैतिक आचरण को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि, फिलीपींस पूरी दुनिया में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बना रहे। कई अन्य देशों के विपरीत, जो छात्रों को शिक्षा के अवसर तो देते हैं, लेकिन दूसरे देशों के ग्रेजुएट छात्रों के लिए प्रैक्टिस के अधिकार पर प्रतिबंध लगाते हैं, फिलीपींस का यह फैसला बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला है। उल्एऊसे मान्यता प्राप्त कॉलेजों से ग्रेजुएट की डिग्री पाने वाले भारतीय छात्र, अब अपनी इंटर्नशिप पूरी करने के बाद फिलीपींस में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और चिकित्सक के तौर पर अपनी सेवाएँ दे सकते हैं। उनकी योग्यता भारतीय चिकित्सा आयोग के मानकों के अनुरूप होंगी, जिससे उनके लिए भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में प्रैक्टिस करने की राह आसान हो जाएगी। बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली इस पहल के बारे में बात करते हुए, ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के मैनेजिंग डायरेक्टर और किंग्स इंटरनेशनल मेडिकल एकेडमी के निदेशक, श्री कैडविन पिल्लई ने कहा, ‘यह सुधार न केवल फिलीपींस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि इससे यह भी जाहिर होता है कि हम भारत के साथ अपने शैक्षिक संबंधों को मजबूत बनाने के अपने संकल्प पर कायम हैं। यह फिलीपींस को मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में एशिया के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थान दिलाता है, साथ ही छात्रों को पूरी दुनिया में बेहद सक्षम डॉक्टर बनने का बेमिसाल अवसर भी उपलब्ध कराता है। बीते वर्षों में, फिलीपींस मेडिकल की पढ़ाई के लिए, खासकर भारतीय छात्रों के लिए सबसे बेहतर डेस्टिनेशन के तौर पर उभर कर सामने आया है। इस देश में अंग्रेजी माध्यम में दी जाने वाली शिक्षा, अमेरिका के अनुरूप पाठ्यक्रम और बेहद सस्ती ट्यूशन फीस की वजह से हर साल हजारों छात्र यहाँ पढ़ाई के लिए आते हैं। फिलीपींस अपने 64 मान्यता प्राप्त मेडिकल स्कूलों और पूरी दुनिया में मान्यता प्राप्त रेजीडेंसी प्रोग्राम्स के साथ अव्वल दर्जे की गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है, जो बेहद किफायती भी है।

वर्तमान में, हर साल लगभग 2,000 भारतीय छात्र अपनी मेडिकल की पढ़ाई के लिए फिलीपींस को चुनते हैं। किफायती शिक्षा, रहन-सहन पर बेहद कम खर्च और सांस्कृतिक रूप से अनुकूल माहौल जैसी सुविधाओं की वजह से, यह देश अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए विश्व स्तरीय अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय परिवारों के लिए बेहद आकर्षक विकल्प बन गया है।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कई कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकताओं पर रहा पुलिस का पहरा, घरों में किया नजरबंद

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा भेजे गए प्रेस नोट के मुताबिक उतर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिनांक 18.12.2024 को प्रस्तावित विधानसभा घेराव करने जा रहे जिले के कुछ कांग्रेस नेताओं और कुछ पदाधिकारीयों को सत्ता रूढ़ पार्टी के इशारे पर पुलिस प्रशासन द्वारा आधी रात से ही घरों मे नजरबंद कर दिया गया। ज्ञात हो कि कांग्रेस पार्टी ने सरकार की हर नाकामी से पर्दा उठाने के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष करने का निर्णय लिया था और 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव करके सोई हुई सूबे की सरकार को जगाने का आह्वान किया गया था। आज प्रदेश मुख्यालय मे होने वाले विधानसभा घेराव के शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दमन करने की नियत से आधी रात को युथ कांग्रेस अध्यक्ष संदीप सोनकर, एनएसयूआई अध्यक्ष अमन सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र वीर बहादुर विक्रम सिंह बाबा, जिला महासचिव उस्मान अली, जिला महासचिव राकेश सिंह डब्बू, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष शशांक राय, आदिल, आरिफ खान, शाहनवाज मंजूर, अबुजर शेख और दर्जनों नेताओं समेत कांग्रेस शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम को घर मे नजरबंद कर दिया गया। नजरबंद किए जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए विशाल सिंह हुकुम ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पुलिस प्रशासन के द्वारा विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की दमनकारी नीति हमारी आवाज को नहीं दबा सकती है। हम आने वाले समय मे और बड़ी ताकत से किसानों बेरोजगारों पिछड़ों और मजलूमों की आवाज को सदन से लेकर सड़क तक उठाने का काम करेंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के जफराबाद थाना क्षेत्र स्थित रत्तीपुर गांव में बुधवार की सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में आम के पेड़ से लटकता हुआ मिला। शव के मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। रियाजुल के अनुसार, मृतक की पहचान मोहिद्दीनपुर निवासी 32 वर्षीय धर्मेंद्र यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबह शौच के लिए गए एक ग्रामीण ने शव देखा और शोर मचाया। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जिसके तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दे दी। घटना की सूचना पर जफराबाद थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है कि युवक की मौत आत्महत्या से हुई है या फिर किसी और कारण से। रियाजुल के अनुसार मृतक धर्मेंद्र यादव की शादी 2018 में मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के मखदुमपुर गांव में हुई थी। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी और पांच साल का एक बेटा है। घटना के बाद से ही परिवार में शोक का माहौल है। उक्त घटना के संबंध में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। फिलहाल, पुलिस मृतक के पारिवारिक और सामाजिक जीवन से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है।

'बिजली उत्पादन में फेल होने पर सरकार कर रही है निजीकरण'

- सपा विधायक रागिनी सोनकर का सरकार पर हमला
- बिजली उत्पादन, निजीकरण पर उठाए सवाल
- सपा सरकार में 17000 मेगावाट उत्पादन, भाजपा में 8000
- कपड़ा बनाने वाली कंपनी को बिजली सामग्री का दिया गया है टेंडर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उ.प्र.विधानसभा सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी की महिला विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने बुधवार को प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बिजली उत्पादन, ट्रांसफार्मर के रखरखाव और निजीकरण को लेकर सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि जब 1989 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने सत्ता संभाली थी। उस समय उत्तर प्रदेश को बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ा था। समाजवादी सरकार ने उस कठिन दौर में राज्य को 17,000 मेगावाट बिजली उत्पादन तक पहुंचाया। उनके आंकड़े सही सवाल को सरकार के मंत्री और विधायक गंभीरता से सुन रहे थे। शायद वह यही सोच रहे थे कि इतनी सटीक और सही आंकड़े कैसे मिल जाता है इनको। विधायक ने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2017 में सत्ता में आने के बाद, बीजेपी सरकार इस उत्पादन को दोगुना करने का वादा करने के बावजूद केवल 8,000 मेगावाट तक ही उत्पादन कर सकी है। उन्होंने पूछा कि इतने बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद सरकार ने बिजली व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं किया? उन्होंने मंत्री से स्पष्ट रूप से पूछा कि सरकार सिर्फ दो वर्षों का ही आंकड़ा दे कि कितने ट्रांसफॉर्मर बदले गए और उनका रखरखाव किया गया। मंत्री के संतोषजनक जवाब न देने पर विधायक ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने निजीकरण के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि यह कदम मंत्रालय की अपनी अक्षमता को दर्शाता है। विधायक ने कहा,जब सरकार को अपने विभाग पर ही विश्वास नहीं है, तो जनता कैसे विश्वास करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति के लिए ऐसी कंपनियों को टेंडर दिया जा रहा है, जो सिर्फ गरीबों की कमर तोड़ रही हैं। साथ में कंपनियां मानक के अनुरूप नहीं है। न हीं स्किल्ड है। कपड़ा बनाने वाली कंपनी से बिजली सामग्री बनाने का टेंडर कराया जा रहा है। विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने सरकार से कहा कि निजीकरण को रोकने और मंत्रालय को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और जनता के विश्वास को दोबारा जीतने के लिए आत्ममंथन करना चाहिए।

महिला उपभोक्ता संग दुर्व्यवहार का वीडियो वायरल

पीड़िता ने डीएम से फोन पर की शिकायत

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।विद्युत उपभोक्ताओं को छूट का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री भले ही कटिबद्ध हैं लेकिन जिले के खेतासराय स्थित विद्युत उप खंड खेतासराय कार्यालय में कर्मचारियों के दुर्व्यवहार से उपभोक्ता में खासा आक्रोश है। मामला शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के डंडवारा कला निवासी एक महिला उपभोक्ता के साथ बुधवार को ऐसी घटना घटी जो जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। महिला उपभोक्ता विफई राजभर पत्नी रामसागर राजभर अपनी बेटी वनिता के साथ पिछले तीन दिनों से दौड़ रहा है। लेकिन छूट और संबंधित पैसा जमा करने के संबंध में उसे कोई बताने वाला नहीं था। बुधवार को वनिता अपनी मां विफई राजभर के साथ विद्युत वितरण उपखंड के शाहगंज स्थित खेतासराय कार्यालय में अपने बिल का छूट संबंधी विवरण लेने पहुंची तो कर्मचारी उसके ऊपर भड़क गए, वनिता ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो कार्यालय में बैठे अनिल यादव नामक बाबू ने उसका बिल भी फाड़ दिया। बाद में वनिता ने मामले की जानकारी जिलाधिकारी दिनेश चंद के मोबाइल फोन पर दी। उन्होंने पीड़िता की पूरी बात सुनने के बाद शीघ्र ही कार्रवाई का भरोसा दिया। इस संबंध में पीड़िता ने बताया कि उक्त कार्यालय में बैठे अनिल यादव नामक कर्मचारी ने मेरा बिल फाड़ दिया और घटना का वीडियो बनाते मुझसे उलझ गए और मेरे साथ दुर्व्यवहार करने लगे।

कोतवाली पुलिस ने चाईनीज मांझा के साथ महिला को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आज दिनांक 18.12.2024 को चेकिंग के दौरान बेगमगंज चुंगी से एक अभियुक्ता रिंकू केसरवानी पत्नी बद्री प्रसाद केसरवानी उम्र करीब 37 वर्ष बेगमगंज चुंगी थाना कोतवाली जौनपुर को 40 अंटा चाइनीज माँझा के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद अवैध 40 अंटा चाइनीज माँझा के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0 अ0सं0 514/2024 धारा 223 बी/293/125 बीएनएस व 5/15 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 थाना कोतवाली जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

फिंगरप्रिंट अंगूठा लगवा लेते हैं कोटेदार परंतु नहीं देते राशन: संगीता पासवान

ग्रामसभा ताखा पूरब की महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय का किया घेराव

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जब प्रदेश सरकार गरीबों को मुफ्त राशन एवं राशन कार्ड उपलब्ध कराने हेतु शासनादेश फरमान जारी करती हो तो ऐसे में ताखा पूरब शाहगंज की महिला प्रधान संगीता पासवान का बयान काफी सुर्खियों में है कि गांव के कोटेदार जनता को समय से राशन नहीं देते हैं और फिंगरप्रिंट अंगूठा लगवा रहे हैं सबका। परंतु राशन नहीं दे रहे हैं और भगा दे रहे हैं। बोल रहे हैं दो-तीन दिन या बाद में आइये, एक हफ्ते बाद, और बदतमीजी से बात करते हैं। परंतु राशन नहीं देते हैं। ऐसे में ग्राम प्रधान संगीता के नेतृत्व में उक्त गांव के राशन कार्ड धारक तहसील स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करते हुए ज्ञापन सौपा। उक्त शिकायत पत्र के माध्यम से अवगत कराया की ताखा पूरब के कोटेदार ग्राम सभा के कार्ड धारकों से अंगूठा लगवा कर राशन नहीं देते हैं। एवं उनके परिवार और कोटेदार के द्वारा राशन लेने जाने पर भद्दी भद्दी गालियां दी जाती है। एवं जातिवाचक संबोधित करते हुए हम सभी को भगा देते हैं। उक्त कोटेदार के संबंध में कार्ड धारकों ने बताया कि कई बार पहले भी शिकायत की जा चुकी है। परंतु संबंधित उच्च अधिकारियों के सह पर कोटेदार हरकत से बाज नहीं आ रहा है। काफी संख्या में महिलाएं लड़कियां तहसील स्थित एसडीएम कार्यालय के बाहर घंटों बैठी रही। तत्काल उप जिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया द्वारा पूर्ति कार्यालय के इंस्पेक्टर को तलब कर जांच हेतु आदेशित किया। ग्राम सभा के कार्ड धारकों का कहना है कि तत्काल कोटेदार का कोटा निरस्त कर नए कोटे का अनुमति प्रदान किया जाए। जिससे तीन महीना से अधिक समय से नहीं मिल रहे राशन की भरपाई की जाए। ताखा पूरब के कार्ड धारकों ने बताया कि कोटेदार के द्वारा महिलाओं को भद्दी भद्दी गालियां दी जाती है। कार्ड धारक साहिल ने बताया कि हम सभी को कोटेदार द्वारा अमर्यादित भद्दी भद्दी गालियां भी दी जाती है। पूनम अर्चना लीलावती अमृत सुमन सविता सोमवती सहित काफी संख्या में महिलाएं उक्त विरोध दर्ज कराने एसडीएम कार्यालय पहुंची थी।

> ताखा पूरब के कोटेदार के द्वारा कार्ड धारकों से फिंगरप्रिंट अंगूठा लगवा लिया जाता है परंतु कई महीने से राशन नहीं दिया गया है जिसकी शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों से किया जा चुका है और आए दिन कार्ड धारकों से कोटेदार बदतमीजी से पेश आता है। जिसकी शिकायत के लिए हम सभी एसडीएम कार्यालय आए हैं।
>
> —संगीता पासवान ग्राम प्रधान, ताखा पूरब

सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा का हुआ आगाज

कथा के माध्यम से मनाया गया महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कस्बा के उत्तरी छोर पर स्थित आदर्श भारती महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर बुधवार को सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। जिसमें यजमान प्रबधंक अनिल कुमार उपाध्याय रहे और कथा वाचक पंडित अखिलेश चन्द्र मिश्र रहे। कथा का शुभारंभ वेद मंत्रों के उच्चारण, दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित अखिलेश चन्द्र मिश्र ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा के महत्व और उसकी आध्यात्मिक गहराइयों से परिचित कराया।

कथा का पहला दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, उनके जन्म, और माखन चोरी की घटनाओं पर केंद्रित रहा। कथावाचक की संगीतमय शैली और भावपूर्ण व्याख्यान ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के दौरान बीच-बीच में संगीतमय भक्ति गीतों पर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। संगीत और कथाओं के मेल ने कथा को और भी अधिक रोचक और आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। आयोजन स्थल को भव्य तरीके से सजाया गया था, और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और जलपान की व्यवस्था की गई। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 से लेकर 3 बजे शाम तक चलेगी। श्रद्धालु इस आध्यात्मिक आयोजन का लाभ उठाकर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके दिव्य उपदेशों को आत्मसात कर सकते है।

इस अवसर पर प्राचार्य विनय सिंह, प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा, विभा पाण्डेय, आर.सी. विश्वकर्मा, डॉ. धर्मराज पाण्डेय समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में नए टर्मिनल में हाईटेक होगी व्यवस्था, एक घंटे में 38 विमानों की होगी आवाजाही

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। तीन साल में बनकर तैयार होने वाले 75000 वर्ग मीटर का नया टर्मिनल भवन पांच हजार यात्रियों की क्षमता का होगा। सालाना एक से डेढ़ करोड़ यात्रियों की आवाजाही इस एयरपोर्ट पर होगी। तीन मंजिला नए टर्मिनल बनने के बाद हर एक घंटे में 38 विमानों की आवाजाही होगी। एक साथ 36 विमान भी खड़े हो सकेंगे। वाराणसी समेत पूर्वांचल के यात्रियों को इससे बड़ी सहूलियत होगी। एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का काम चल रहा है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए 2870 करोड़ रुपये मंजूर हुए। विस्तारीकरण के लिए कुल 360 एकड़ भूमि को लिया जाना था, जिसमें से 180 एकड़ भूमि को अधिग्रहीत कर लिया गया। एयरपोर्ट के आसपास के घमहापुर, रघुनाथपुर, कर्मी, सगुनहा और बसनी, पठकान गांव की जमीनों का अधिग्रहण हुआ और किसानों को उनकी जमीनों का मुआवजा भी दे दिया गया। बाबतपुर एयरपोर्ट पर मौजूदा समय में रोजाना 60 से 70 विमान और लगभग 10 से 12 हजार यात्रियों की रोजाना आवाजाही होती है। नए टर्मिनल बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। यात्रियों व विमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। 8 एयरोब्रिज, 72 चेक-इन काउंटर और आईएलएस कैट थ्री प्रणाली से लैस होगा एयरपोर्ट एयरपोर्ट पर रनवे विस्तार, आईएलएस कैट थ्री प्रणाली, विमान हेंगर, रडार प्रणाली, कार्गो टर्मिनल, 8 एयरो ब्रिज, 72 चेक-इन काउंटर और अन्य कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी। नए टर्मिनल बनने के बाद बोइंग विमान भी उतर सकेंगे। मल्टीलेवल पार्किंग का काम जोरों पर चल रहा है। 1450 कार पार्किंग की क्षमता के हिसाब से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आठ कन्वेयर बेल्ट, पांच एक्स बीआईएस मशीनें, कोड सी प्रकार के विमानों के लिए 20 अतिरिक्त पार्किंग-वे का भी निर्माण कराया जा रहा है।

अभियुक्तों के घर बजवाई गई डुगडुगी

बरसठी,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस द्वारा न्यायालय के आदेश के अनुपालन मे इश्तहार जारी होने पर वांछित अभियुक्तगण के घर डुगडुगी बजवाकर कराया अनुपालन मु0अ0सं0-269/2024 धारा 191(2)/ 191(3)/ 190/115(2)/352/127(2)/351 (3)/103(1) बीएनएस में वांछित अभियुक्तगण प्रदीप शुक्ला व आनन्द शुक्ला पुत्रगण कैलाशनाथ शुक्ला निवासीगण ग्राम खरगापुर खोइरी थाना बरसठी जनपद जौनपुर जो इस अभियोग में वांछित व पुरस्कार घोषित अपराधी है। इनके विरुद्ध न्यायालय से वारण्ट व इश्तहार जारी होने पर उक्त वांछितों के विरुद्ध ग्राम खरगापुर मे माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में डुगडुगी बजवाकर अनुपालन कराया गया। यदि न्यायालय के निर्देश का अनुपालन नहीं किया गया तो इनके विरूद्ध कुर्की की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज स्टेशन के बीच राजापुर गांव के पास मंगलवार की रात ट्रेन की चपेट में आकर एक वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान होने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के पाराकमाल गांव निवासी 65 वर्षीय जैतू राजभर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। मंगलवार की शाम वह घर से निकला। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। देर रात्रि राजापुर गांव के पास किसी ट्रेन के चपेट में आने से उसकी जान चली गई। घटनास्थल दो थानों की सीमा होने से शाहगंज और खेतासराय की पुलिस पहुंची। घंटों बाद शव की पहचान हुई। शाहगंज पुलिस ने शव को कब्जे में विधिक कार्यवाही पूरी की।

शिविर लगाकर की गई दो लाख की वसूली

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के पाराकमाल गांव में बुधवार को विद्युत विभाग की ओर से एकमुश्त समाधान योजना के तहत शिविर लगाया गया। जिसमें दो लाख रुपए की राजस्व वसूली की गई। 25 उपभोक्ताओं ने एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाया। बिल का भुगतान न करने वाले 20 बड़े बकाएदारों के कनेक्शन काटते दिए गए। एसडीओ धर्मेंद्र गुप्ता ने बिल का भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं से ओटीएस का लाभ उठाने को कहा। कनेक्शन विच्छेद से बचने के लिए उन्होंने बिल भुगतान करने की उपभोक्ताओं से अपील की। इस दौरान जेई भानू सिंह, लाइनमैन अखिलेश, प्रदीप, जसवंत, अजय आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता के कारण कप्तान ने किया कई पुलिस वालों को निलंबित, बिठाई विभागीय जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विभिन्न थानो का पारपत्र रजिस्टर का अवलोकन किया गया, ताकि आवेदकगण से फीडबैक प्राप्त किया जा सके, परन्तु पारपत्र रजिस्टर मे किसी भी आवेदकगण का मोबाईल नम्बर अंकित नही किया गया है। जिससे स्पष्ट है कि जानबूझ कर आवेदकगण का मोबाइल नम्बर अंकित नही किया गया। जबकि इस सम्बन्ध में कई बार निर्देश दिये गये है फिर भी मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है। यह कृत्य अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता का घोतक है। निम्नवत को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए विभागीय जांच आसन्न है 1.मु0आ0 अजय तिवारी थाना जफराबाद। 2.मु0आ0 दिलीप कुमार थाना लाइन बाजार। 3.मु0आ0 मिथिलेश कुमार सिंह थाना कोतवाली। 4.मु0आ0 रमेश सिंह थाना मीरगंज। 5.आरक्षी पवन साहनी थाना चन्दवक। 6.आरक्षी अभय यादव थाना सिकरारा। 7. आरक्षी सत्यम सिंह थाना तेजीबाजार। 8. क0आ0 विकास गुप्ता थाना बक्सा। 9.आरक्षी अजीत कुमार थाना केराकत। 10. आरक्षी रोहन कुमार थाना गौराबादशाहपुर। 11.आरक्षी संदीप कुमार थाना पवारा।

सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव का जेल से रिहा होने पर हुआ स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर बॉर्डर पर पूर्व जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव की नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। बताते दें उत्तर प्रदेश PCS व RO/ARO में भर्ती परीक्षा व तमाम अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव छात्र नेता इलाहाबाद विश्वविद्यालय राघवेंद्र यादव को जेल जाना पड़ा था आज नैनी जेल से छूटने के बाद जौनपुर बॉर्डर मुंगरा बादशाहपुर में पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया वही राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव ने कहा कि पुलिस प्रशासन के द्वारा सरकार के इशारे पर जेल भेजा गया है ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

एक दिन, एक परीक्षा कराने की माँग छात्रो की जायज थी परंतु सरकार पूर्ण रूप से नाकाम रही क्योंकि सरकार की मंशा परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से करवाने की थी ही नहीं, बेरोजगार युवाओं की बढ़ती संख्या प्रदेश के लिए खतरनाक है। उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध करवाकर के उन्हे सरकार द्वारा सही दिशा मे अग्रसर करना चाहिए था परंतु सरकार की कथनी और करनी मे बहुत अंतर है। युवाओं को नौकरी के सपने दिखाकर उन्हें छलने में पास हो गयी है बीजेपी सरकार नौकरी पर जाने की बजाय युवा कोर्ट और जेल के चक्कर लगा रहे है। बीजेपी सरकार की मंशा साफ है कि वह सिर्फ बेरोजगार युवाओं को परेशान करना चाहती है। उन्हें नौकरी देने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। इस सरकार के अन्य अत्याचार के खिलाफ लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इस मौके पर पूर्व विधायक लालबहादुर या पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, रामलाल पाल,रामजतन यादव,नन्हकू यादव, संजय यादव संदीप यादव सावन यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

सुरक्षित महाकुम्भ बॉलीवुड के आर्ट डायरेक्टर ने तैयार किया महाकुम्भ का पॉवर सेंटर

- 100 से अधिक अफसरों की टीम यहीं से करेगी महाकुम्भ की मॉनिटरिंग
- इसी कंट्रोल रूम से मेले के चप्पे चप्पे पर नजर रखेंगे टॉप 20 अफसर
- कॉन्फ्रेंस हॉल में बनेगी रणनीति, मीडिया के लिए भी बन रहे स्पेशल ब्लॉक
- सीएम योगी के निर्देश पर युद्ध स्तर पर चल रहा महाकुम्भ को भव्य बनाने का काम

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। महाकुम्भ में इस बार सुंदरता और सुरक्षा का अद्भुत संगम होने जा रहा है। देश विदेश के श्रद्धालु यहां नव्यता के साथ साथ भव्यता का भी आनंद लेने के लिए बस पहुंचने ही वाले हैं। इस पूरे मेले को संचालित करने वाला पावर सेंटर यानी नया कंट्रोल रूम भी बनकर तैयार हो गया है, जहां शीर्ष अधिकारी बैठकर रणनीति बनाएंगे। कंट्रोल रूम से ही मेले के चप्पे चप्पे पर नजर रखी जाएगी। महाकुम्भनगर में इस कंट्रोल रूम को बनाने में बॉलीवुड के प्रसिद्ध आर्ट डायरेक्टर और वास्तुकार पवन पांडे की मदद ली गई है। सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग सीएम योगी के निर्देश पर विश्व के इस सबसे बड़े मेले को सजाने संवारने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। महाकुम्भनगर में बना यह कंट्रोल रूम मेले से पहले चल रही तैयारियों के साथ साथ मेले के दौरान सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करेगा। यहां कॉन्फ्रेंस हॉल में मेले को संचालित करने के लिए मीटिंग्स की जाएगी। मीडिया के स्पेशल ब्लॉक भी बनाए जा रहे हैं, जो संपूर्ण मेले की जानकारी मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएंगे। महाकुम्भ को भव्य बनाने की तैयारी महाकुम्भनगर के अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार के महाकुम्भ को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उनकी मंशा है कि दुनिया के सामने महाकुम्भ के माध्यम से ऐसा उदाहरण पेश किया जाए। जिससे लोग जानें कि आखिर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश क्यों कहा जाता है। महाकुम्भ की सुंदरता को संवारने के लिए देश के कोने-कोने से प्रसिद्ध कलाकारों की बड़ी महत्वपूर्ण टीमें यहां महाकुम्भनगर की दीवारों में नवजीवन के रंग उकेरते देखी जा सकती हैं। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि कंट्रोल रूम में श्रद्धालुओं को लेकर होने वाले जरूरी इंतजाम के लिए वीआईपी मीटिंग होंगी। साथ में कॉन्फ्रेंस हॉल और करोड़ों लोगों तक सही समय पर उचित जानकारी पहुंचाने के लिए मीडिया के ब्लॉक भी बनाए जा रहे हैं।

समयसीमा के अंदर बना कंट्रोल रूम: इसी क्रम में मुंबई में कई फिल्मों और रियलिटी शो के अनुभवी आर्ट डायरेक्टर पवन पांडे ने महाकुम्भ का पॉवर सेंटर समय सीमा से पहले तैयार कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कंट्रोल रूम को अंतिम रूप दिया गया है। यह सुरक्षा के लिहाज से बेहद मुफीद है। प्रयाग के प्रमुख मंदिरों और धर्मस्थलों की कलाकृतियों से इसे सजाया गया है। यहां एक साथ 100 से अधिक अफसरों की टीम काम करेगी। साथ ही महाकुम्भ के दौरान हर गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी यहीं से की जाएगी। मेले के शीर्ष अधिकारी इसी कंट्रोल रूम से मेले के चप्पे चप्पे पर नजर रखेंगे और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपडेट देंगे।

सुरक्षा का विशेष इंतजाम: कंट्रोल रूम में अफसरों के अलग-अलग प्रकार के केबिन बनाए जा रहे हैं। जिसमें सुरक्षा, प्रशासनिक कार्यों के साथ साथ चिकित्सा, पेयजल संबंधित सभी आवश्यक कार्यों की निगरानी की जाएगी। देश-विदेश से महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए, इसके लिए बाकायदा रणनीति बनाने का काम भी इसी कंट्रोल रूम से किया जाएगा। विभागीय समन्वय के लिए यहीं पर कॉन्फ्रेंस हॉल रहेंगे और जन सुविधाओं से संबंधित जानकारी के लिए मीडिया के ब्लॉक भी यहीं पर अलग से बनाए जा रहे हैं। सुविधा के लिहाज से इस सेंटर को एल शेप का आकर दिया जा रहा है। जिसमें अफसर से लेकर उनके स्टाफ तक के लिए हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

ब्लू डार्ट के मेरी एक्सप्रेस ने डोमेस्टिक और इंटरनेशनल शिपमेंट पर खास डिस्काउंट

मुंबई। दक्षिण एशिया में एक्सप्रेस एयर, इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉजिस्टिक्स सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने अपने मेरी एक्सप्रेस ऑफर के साथ हॉलिडे सीजन की शुरूआत की है। यह फेस्टिव ऑफर 15 दिसंबर, 2024 से 15 जनवरी, 2024 तक उपलब्ध रहेगा, और इस दौरान ग्राहकों को डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल शिपमेंट पर रियायती दरों की पेशकश की जाएगी, साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि लोगों के गिफ्ट्स उनके अपनों तक सही समय पर पहुँचें। देश भर के सभी ग्राहक 2 से 10 किग्रा वजन वाले डोमेस्टिक शिपमेंट पर 40% तक की छूट के साथ-साथ 3 से 25 किग्रा वजन वाले इंटरनेशनल शिपमेंट पर 50% तक की छूट का फायदा उठा सकते हैं। यह ऑफर नियमों व शर्तों के साथ डोमेस्टिक प्रायोरिटी और इंटरनेशनल शिपमेंट, दोनों पर लागू है। ग्राहकों को सबसे ज्यादा अहमियत देने वाली कंपनी होने के नाते, ब्लू डार्ट अपने प्रोडक्ट्स एवं सेवाओं को लगातार बेहतर बनाने के इरादे पर अटल है, ताकि इस फेस्टिव सीजन में ग्राहकों के लिए सेवाओं को और मूल्यवान बनाया जा सके। ग्राहक 'मेरी एक्सप्रेस' ऑफर के जरिये पूरे भारत में 56,000 से ज्यादा लोकेशन के साथ-साथ दुनिया भर के 220 देशों और क्षेत्रों में फेस्टिव गिफ्ट्स भेज सकते हैं। कंपनी हरेक डिलीवरी को तेज, सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन का लाभ उठाती है, और हर टचपॉइंट पर लगातार उम्दा सेवाएँ उपलब्ध कराती है। ब्लू डार्ट के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, दीपांजन बनर्जी ने कहा, ₹हम फेस्टिव सीजन के दौरान अपने ग्राहकों को खुशियाँ देने और उन्हें लगातार बेमिसाल अनुभव प्रदान करने के इरादे पर अटल हैं, और इसी के तहत हमें इस स्पेशल प्रमोशन की पेशकश करते हुए बेहद खुशी हो रही हैं। हमारे 'मेरी एक्सप्रेस' ऑफर से जाहिर होता है कि हम इनोवेटिव सॉल्यूशंस, स्पीड और रिलायबिलिटी प्रदान करने के अपने संकल्प पर कायम हैं, जो हमारे ग्राहकों के लिए दुनिया भर में अपने प्रियजनों के साथ त्योहारों की खुशियाँ बाँटना आसान बना देता है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने चौसा में नए आउटलेट के साथ बिहार के सासाराम में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

चौसा, सासाराम। बिहार में एक नया बैंकिंग आउटलेट लॉन्च किया, जिससे बिहार राज्य में कुल 240 बैंकिंग आउटलेट और पूरे देश में 1006 आउटलेट हो गए। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) मॉडल के माध्यम से कम आय वाले व्यक्तियों को माइक्रो-बैंकिंग ऋण सुविधाओं सहित अपनी बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करेगा, जिनकी इस क्षेत्र में वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है जो वित्तीय बचत, व्यवसाय विकास और निवेश में निवासियों और उद्यमियों का समर्थन करते हैं।

बिहारः उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चौसा, सासाराम, बिहार में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, बैंक ने बिहार में 240 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1006 आउटलेट खोल दिए हैं। चौसा, सासाराम के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट का लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, चौसा में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट बिहार में हमारे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सासाराम के ऐतिहासिक जिले में स्थित चौसा, चौसा की लड़ाई और ग्रैंड ट्रंक रोड के साथ अपने जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध है इस आउटलेट का खुलना चौसा की गतिशील और तेजी से बढ़ती आबादी का समर्थन करने और इस जीवंत समुदाय में विकास को बढ़ावा देने की हमारी यात्रा में एक कदम आगे है।

हिंसा में लिप्त लोगों को मारना रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना हैः अमित शाह

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में हथियार छोड़ कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान शाह ने साफ तौर पर स्पष्ट किया कि, हिंसा में लिप्त लोगों को मारना रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना है। साल 2019 तक कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में हथियार लेकर हिंसा का रास्ता अपनाने वाले युवाओं ने प्रभावित क्षेत्रों को विकास से कोसों दूर रखा हुआ था। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और अंत्योदय की राजनीति करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में यह तय किया गया कि जो लोग हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें मौका दिया जाएगा। यदि आँकड़ों पर नजर डालें तो स्पष्ट पता चलता है कि 2019 से 2024 तक सिर्फ पूर्वोत्तर में ही 9,000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़कर सरेंडर किया है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में भी कई युवाओं ने सरेंडर किया है और अब भारत सरकार ऐसे लोगों और नक्सलवाद से पीड़ित लोगों के कल्याण के लिए समग्र योजना बना रही है। महज एक साल के अंदर छत्तीसगढ़ में 837 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। हाल ही में, भारत सरकार ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की सरेंडर पॉलिसी को पूरे देश में लागू करके हथियार छोड़ने वाले युवाओं को समाज में पुनर्स्थापित किया जाएगा। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 हजार मकान बनाने को मंजूरी देने के साथ-साथ हर परिवार को एक गाय या भैंस देकर डेयरी कोऑपरेटिव बनाने की शुरूआत भी की जा रही है। देश के अंतिम व्यक्ति और अंतिम गाँव तक विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले मोदी-शाह की नीतियों के तहत प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल, दवाखाने, अस्पताल, मुफ्त अनाज, बिजली, शौचालय, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेजी से पहुँचाया जा रहा है। अमृतकाल में देश और देश के युवा उन हाथों में सुरक्षित है जो देश को आतंकवाद व नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए कटिबद्ध हैं।

रामसूरत राजभर ने उठाया शिब्ली कालेज में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का मामला

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। शिब्ली नेशनल कालेज आजमगढ़ का चर्चित तिरंगा झंडा प्रकरण मंगलवार को विधान परिषद में भाजपा के विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर ने उठाया। उन्होंने नियम -115 के अन्तर्गत इसे सदन में उक्त मामला उठाया। जिसको लेकर सदस्यों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अल्पसंख्यक संस्था-शिब्ली नेशनल कालेज आजमगढ़ के प्राचार्य ने कैसे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा का अपमान किया। रामसूरत राजभर ने सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि मैं इस सूचना के माध्यम से सदन का ध्यान आजमगढ़ के चर्चित अल्पसंख्यक संस्था शिब्ली नेशनल कालेज में बीते 15 अगस्त-2024 (स्वतंत्रता दिवस) समारोह में ध्वज सलामी के दौरान प्राचार्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का अपमान करने के कुकृत्य पर आकृष्ट कराना चाहता हूं। उक्त घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने देखा। इस घटनाक्रम से समूचा आजमगढ़ अपमानित महसूस कर रहा है। किसी देश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान, उस राष्ट्र का अपमान होता है और यह अपमान जानबूझकर किया गया है। प्रश्नगत प्रकरण में गृहविभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय से शिकायतों के बाद डीएम और एसपी ने जांच समिति गठित की। जांच कमेटी की रिपोर्टो के बाद घटना सही पायी गई है। प्राचार्य द्वारा वायरल वीडियो में स्वयं के होने की बात भी स्वीकार की गई है। प्राचार्य के दोषी सिद्ध होने पर जिलाधिकारी द्वारा शिब्ली के मैनेजमेंट/नियुक्ति प्राधिकारी को प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इसके बाद डीएम ने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी वाराणसी को कार्रवाई करने की रिपोर्ट भेजी गयी। बावजूद मैनेजमेंट द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी। बल्कि आरोपी प्राचार्य को ही बचाने में सभी लग गये। यह विधि व्यवस्था और कानून के राज पर सवाल खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के अपमान के दोषी प्राचार्य के विरुद्ध वैधानिक, विभागीय तथा दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग सरकार से करता हूं। जिससे ऐसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति न हो। एमएलसी के इस मुद्दे पर सभापति ने प्रकरण में त्वरित कार्रवाई हेतु शासन को संदर्भित कर दिया।

भाजपा ही मेरी पहचान है : रविन्द्र चव्हाण

मुंबई। इस बार मंत्री मंडल में कई नए होनहार चेहरों को मौका दिया गया है तो कुछ अनुभवी और वरिष्ठ नेताओं को बाहर कर दिया गया है। इसलिए पिछले 2-3 दिनों से महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी भी इससे अछूती नहीं हैं. उदाहरण के लिए, इन मे सुधीर मुनगंटीवार, संजय कुटे, छगन भुजबल, तानाजी सावंत, नरेंद्र भोंडेकर जैसे कई नामों का उल्लेख किया जा सकता है। इसीलिए चुनाव से पहले एकजुट हुए महायुति में अब मंत्रिमंडल और खाते वाटप को लेकर भूचाल होता है या नही? इस बात पर सभी का ध्यान केंद्रित है। लेकिन इस घमासान में इन सब मे अपवाद रहे है देवेन्द्र फड़णवीस के दाहिने हाथ कहे जाने वाले रविन्द्र चव्हाण। चाहे सरकार हो या पार्टी संगठन, पिछले कुछ वर्षों में रविन्द्र चव्हाण का प्रदर्शन निश्चित रूप से सराहनीय रहा है। इसीलिए चर्चा हो रही थी कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत में देवेंद्र फड़णवीस के साथ रविन्द्र चव्हाण का भी बडा योगदान है। बीजेपी में मुख्यमंत्री पद के लिए जिन नामों पर चर्चा चल रही थी, उनमें देवेंद्र फड़णवीस के साथ-साथ रविन्द्र चव्हाण का नाम सबसे आगे था। जब फड़णवीस के मुख्यमंत्री बनने की पुष्टि हो गई, तो रविन्द्र चव्हाण को फडणवीस की 'सुपर कैबिनेट' में एक निश्चित नाम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन उन्हें मंत्री मंडल में कोई पद नहीं दिया गया और फिर भी रविन्द्र चव्हाण की ओर से कोई नाराजगी नहीं जताई गई। रविन्द्र चव्हाण नागपुर में बीजेपी विधानमंडल कार्यालय विधान भवन परिसर में कई मंत्रियों, नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बेहद घुल-मिल कर व्यवहार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि सोशल मीडिया के जरिए लगातार लोगों से संपर्क में रहने वाले रविन्द्र चव्हाण के सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी तरह की नाराजगी देखने को नहीं मिली। बहुत चुपचाप, पिछला बायो बदलकर 'टछअ (एमएलए), डोंबिवली शहर' कर दिया गया है। इसीलिए उनका शांत, संयत रुख चर्चा का विषय बन गया है। छगन भुजबल ने कहा, ₹क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं?₹ ये कहते हुए उन्होंने खुलकर अपने दिल की बात कही. भले ही सुधीर मुनगंटीवार कहते हैं, ₹मैं नाराज नहीं हूं₹, लेकिन नितिन गडकरी के साथ उनकी बैठक में वास्तव में क्या चर्चा हुई, यह अभी भी गुप्त है। डॉ. संजय कुटे ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट कर परोक्ष रूप से अपमानित होने की भावना जाहिर की है। शिवसेना नेता विजयबापू शिवतारे ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि 'अगर उन्हें डेढ़ साल बाद मंत्री पद भी दिया जाए तो भी वह इसे नहीं लेंगे।' नरेंद्र भोंडेकर ने तो अपने शिवसेना के पद से इस्तीफा दे दिया है। तानाजी सावंत ने अपने फेसबुक डीपी से धनुष आइकन हटा दिया है। लेकिन इन सबमें रविन्द्र चव्हाण के समर्थक कोई भूमिका नहीं निभा रहे हैं बल्कि शांत रहने की ही भूमिका दिख रही है।

विधान परिषद में नाला सोपारा में41 भवनों के मुद्दे पर हुई चर्चा

नागपुर(उत्तरशक्ति)। नागपुर में चल रहे शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन नालासोपारा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक राजन नाइक ने कहा कि वसई विरार नगर निगम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अनधिकृत निर्माण के कारण नागरिकों को आर्थिक रूप से धोखा दिया गया है। इसी तरह बताया गया है कि नागरिक बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं. इसी तरह केंद्र व राज्य सरकार से करोड़ों रुपये की धनराशि मिलने के बाद भी नागरिकों को कोई सुविधा नहीं मिल रही है. स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के कारण एसटीपी और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित स्थानों पर अवैध निर्माण के कारण हजारों परिवार बेघर होने की कगार पर हैं, इसलिए विधायक राजन नायक ने तत्काल मांग की है कि उक्त आरक्षण को समाप्त किया जाए गरीबों को बेघर होने से बचाने के लिए अन्य सरकारी जगहों पर बदला गया।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ड्रोन रोधी प्रणाली तैनात

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले वर्ष जनवरी में आयोजित किए जाने वाले विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन रोधी प्रणाली तैनात की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुंभ) राजेश द्विवेदी ने बताया कि बिना अनुमति के उड़ाए जाने वाले ड्रोन को लेकर भी बेहद सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया, महाकुंभनगर में शुक्रवार को हवा में फरार्टा भरते दो ड्रोन को पकड़ा गया। हालांकि ये ड्रोन फोटोग्राफी के उद्देश्य से स्थानीय लोगों द्वारा उड़ाए जा रहे थे और कोई अवैध गतिविधि में संलिप्त नहीं थे इसलिए उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। द्विवेदी ने बताया कि महाकुंभ मेला क्षेत्र में ड्रोन रोधी प्रणाली सक्रिय होने के साथ ही अब बिना अनुमति के कोई भी व्यक्ति ड्रोन नहीं उड़ा सकेगा और ड्रोन उड़ाने के लिए उसे पुलिस से अनुमति लेनी होगी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बेहद शक्तिशाली ड्रोन रोधी प्रणाली के लिए अनुभवी विशेषज्ञों को यहां महाकुम्भ नगर में बुलाया गया है और उन्होंने कामकाज संभाल लिया है। उन्होंने बताया कि ये विशेषज्ञ एक जगह तैनात रहकर मेला क्षेत्र में उड़ने वाले सभी ड्रोन पर नजर रख रहे हैं और इन्हें 24 घंटे अलर्ट रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि ये विशेषज्ञ संदिग्ध दिखाई देने पर हवा में ही किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय करने में सक्षम हैं। महाकुम्भ 2025 के लिए योगी सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के बाद अब 10 दिन के अंदर मेला क्षेत्र को पूरी तरह सजाने संवारने की योजना है।

नादेवी मुरारका की स्मृति में 240 परिवारों को वितरित की गई खाद्य सामग्री

मुंबई। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी राजस्थानी मंडल गोकुलधाम, यशोधाम द्वारा संचालित कमजोर वर्ग, दिव्यांगों , नेत्र बाधित एवं जरुरतमंद परिवारों को मासिक अन्नक्षेत्र सहायता वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । इस माह 240 परिवारों को (प्रत्येक को 9 किलो) खाद्य सामग्री वितरित की गई । इस माह की सहायता सेवा पुण्यश्लोक श्रीमती मीनादेवी मुरारका की पावन स्मृति में ₹चिरंजीलाल बदामीदेवी मुरारका चेरिटेबल ट्रस्ट ₹ एवं समर्पण के ट्रस्टी काशीप्रसाद मुरारका , डॉ.अनीलजी मुरारका , मनीष मुरारका , सिद्धांत मुरारका एवं परिवार द्वारा की गई। डॉ. अनील काशीप्रसाद मुरारका ने अपने हाथो से खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया तथा लाभार्थियों से बात की तथा सभी ने व्यवस्था एवं गुणवत्ता की प्रशंसा की। इस अवसर पर रमेश मोदी, पुरूषोत्तम सुरेका , रमेश गोयल, सज्जन मोदी आदि उपस्थित रहें। संस्था के संस्थापक राजेन्द्र तुलस्यान ने बताया कि यह सेवा विगत 12 वर्षो से अनवरत रूप से जारी है। सभी दानदाताओं और सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ 22 दिसंबर से

कल्याण। कल्याण मुंबई की मशहूर संस्था सृजन के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का दिव्य और भव्य आयोजन 22 दिसंबर से 28 दिसंबर तक शाम 6.30 बजे से 9.30 तक दुर्गा माता मंदिर परिसर, कोलसे वाड़ी, कल्याण (पूर्व) में प्रारंभ होने जा रहा है। इस आयोजन में व्यास पीठ पर प्रसिद्ध कथाकार वैष्णवाचार्य स्वामी श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्य जी महाराज (प्रयागराज)उपस्थित रहेंगे जिनके श्री मुख से श्रीमद् भागवत कथा की अमृत धारा प्रवाहित होगी और कृष्ण भक्त उसका श्रवण कर अपना जीवन सार्थक कर सकेंगे। यह जानकारी संस्था सृजन के कोषाध्यक्ष विरेंद्र उपाध्याय ने दी है। वहीं संस्था के रामचंद पांडेय अध्यक्ष, अरविंद दूबे महासचिव, बृजेश दीक्षित आंतरिक लेखा परीक्षक, श्यामराज मिश्रा कार्याध्यक्ष, विनोद पाठक सचिव, भूपेष आ. सिंह सह लेखा परीक्षक, गिरजाशंकर मिश्रा उपाध्यक्ष, विरेंद्र उपाध्याय कोषाध्यक्ष, अरविंद रा. पांडेय कार्य समिति सदस्य, विश्वम्भरनाथ द्विवेदी उपाध्यक्ष, विजयलाल शुक्ला सह कोषाध्यक्ष, नागेश श्यामराज मिश्रा कार्य समिति सदस्य ने सभी लोगों से निवेदन किया है कि आप इष्ट मित्र, परिवार सहित सादर आमंत्रित हैं।

डॉक्टरों को श्री चैतन्य पुरस्कार से किया गया सम्मानित

मुंबई। चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर कीर्तिमान स्थापित करने वाले डाक्टरों को श्री चैतन्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया. विलेपार्ले में आयोजित सम्मान समारोह में श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज के हाथों डॉ. हेमंत टोनगांवकर, डॉ. राहुल पंडित, डॉ. अश्विन व डॉ. संजय हेलाले को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लोगों का जीवन बचाने में डाक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. डॉक्टर आज भी असमर्थ लोगों का सहयोग करके समाज सेवा का आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति कर्म ,भक्ति व ज्ञान के समन्वय का संदेश देती है. कर्म ही पूजा है कहने की अपेक्षा कर्म भी पूजा बन सकता है. जिस कार्य के साथ विचार, विवेक या ज्ञान ना हो ऐसा हर कार्य पूजा कहलाने का अधिकारी नहीं हो सकता. उन्होंने कहा कि संसार में कोई भी व्यक्ति रूप,धन, कुल या जन्म से नहीं अपितु अपने कर्मों से महान बनता है. उन्होंने कहा कि जीवन में विनम्रता,सरलता, सादगी व संयम को अपनाना चाहिए. कुछ ऐसा कार्य करना चाहिए कि संसार में लोग हमें याद ही नहीं बल्कि अच्छाई से सदैव याद रखें. बहुत से लोग मर कर भी जिंदा रहते हैं तो बहुत से जीवित भी मृतक तुल्य जीवन जीते हैं. आज लोगों में सहनशक्ति का सर्वथा अभाव हो रहा है. किसी को एक दूसरे की बात अच्छी नहीं लगती. उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति पुरुषार्थ करे तो ईश्वर भी उसकी सहायता करता है. मनुष्य को अपने जीवन को श्रेष्ठ व मर्यादित बनाने के लिए जहां से अच्छाई मिले वहां से ग्रहण करके अपने जीवन को समाज के लिए कल्याणकारी, श्रेष्ठ व मर्यादित बनाना चाहिए.

गेटवे ऑफ इंडिया के पास नौका समुद्र में पलटी, दो यात्रियों की मौत

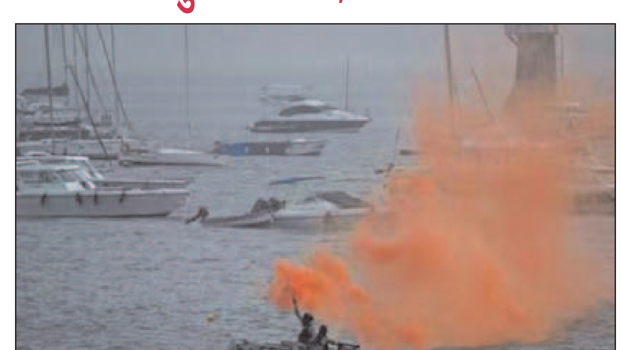

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बुधवार को महाराष्ट्र के मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा द्वीप जाते समय एक नौका पलट गई। इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई और नौका पर सवार 75 अन्य लोगों को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि अभी भी कई लोग लापता हैं और उनकी तलाश की जा रही है। नीलकमल नौका जिसमें 80 लोग और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे, मुंबई के पास एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल एलीफेंटा द्वीप की ओर जा रही थी, जब स्पीड बोट ने दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले नौका के चारों ओर चक्कर लगाया, जैसा कि दुर्घटना का एक वायरल वीडियो दिखाता है। एक स्थानीय नेता ने दावा किया कि स्पीड बोट नौसेना की थी, लेकिन नौसेना की ओर से इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई। रक्षा अधिकारी ने बताया कि नौसेना और तटरक्षक बल ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया है। नौसेना की 11 नौकाएं और मरीन पुलिस की तीन नौकाएं तथा तटरक्षक बल की एक नौका को इलाके में तैनात किया गया है। अधिकारी ने बताया कि खोज और बचाव अभियान में चार हेलीकॉप्टर शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण के कर्मचारी और इलाके के मछुआरे भी बचाव कार्य में शामिल हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में राज्य विधानसभा को बताया कि सात से आठ यात्रियों की तलाश जारी है, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। फडणवीस ने बताया कि स्पीड बोट, जो नौसेना या तटरक्षक बल की बताई जा रही है, ने नियंत्रण खो दिया और नौका से टकरा गई।

पौत्र की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद मिलने पर राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने माना कृपाशंकर का आभार

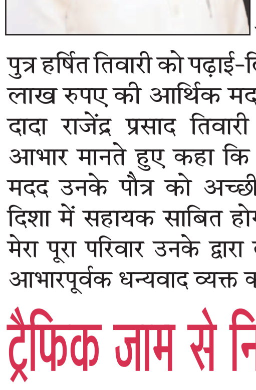

जौनपुर। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी रहे कृपाशंकर सिंह ने जून 2024 में हत्या किए गए ,इनामीपुर के ग्राम प्रधान मुकेश तिवारी के पुत्र हर्षित तिवारी को पढ़ाई-लिखाई के लिए एक लाख रुपए की आर्थिक मदद की है। हर्षित के दादा राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने कृपाशंकर का आभार मानते हुए कहा कि उनके द्वारा की गई मदद उनके पौत्र को अच्छी शिक्षा दिलाने की दिशा में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा परिवार उनके द्वारा दी गई मदद के प्रति आभारपूर्वक धन्यवाद व्यक्त करता है।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में माउथ कैंसर का सफल ऑपरेशन

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) ने कॉलेज संचालन के शुरूआती दौर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की आंतरिक टीम ने किसी वाह्य विशेषज्ञ के बगैर, माउथ कैंसर से पीड़ित एक मरीज की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करके उसे नवजीवन दिया है। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और नेपाल तक के मरीजों को मिलेगा, अब उन्हें कैंसर की जटिल सर्जरी के लिए बड़े महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले राममिलन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था।

जौनपुर पुलिस की मुठभेड़ में गो-तस्कर के पैर में लगी गोली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत निजामपुर गांव तिराहे के समीप गैंगस्टर एक्ट में वांछित गो तस्कर पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। गो तस्कर के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी है। वहीं बाइक पर सवार दूसरा साथी फरार हो गया। बाइक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। घटना मंगलवार रात की है। पुलिस के अनुसार आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत बैरकडीह गांव निवासी वर्तमान पता कोतवाली क्षेत्र का नटौली गांव निवासी नौशाद पुत्र युनूस के साथ पुलिस का निजामपुर गांव में मुठभेड़ हो गया। बाइक पर नौशाद अपने साथी के साथ जा रहा था। पुलिस के रोकने पर फायरिंग शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में नौशाद के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लग गयी। वहीं साथी अंधेरे का फायदा उठा मौके से फरार हो गया। बताया जाता है कि वांछित नौशाद पर सरपतहा थाना में गो वध अधिनियम एवं गैंगस्टर के तहत मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उक्त की हालत गम्भीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घटना स्थल से बाइक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया। इस दौरान कोतवाली निरीक्षक सहयोगियों के साथ मौजूद रहे।

युवक चोरी के उपकरण व चोरी के पैसे के साथ भेजा गया जेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर रेलवे क्रासिंग सिपाह से चोरी के समान व चोरी के 5000/- रुपये के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया जिसका नाम सद्दाम पुत्र स्व0 फकरे आलम निवासी वमईला थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर होना पाया गया जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर पूर्व में मु0अ0सं0 513/24 धारा 305/331(4) बीएनएस पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त सद्दाम उपरोक्त के पास से एक पेचकस,एक रिंच व एक कीपैड ब्लैक मोबाइल फोन व चोरी के 5000/- रुपये बरामद किये गये। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर नियमानुसार आवश्यक विधिक कायार्वाही कर अभियुक्त उपरोक्त को न्या0 के समक्ष भेजा गया।

ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए नए रेलवे फ्लाईओवर की जरूरत

आमदार राजन नाइक की सदन में मांग की है कि

वसई रोड। वसई-विरार शहर में ट्रैफिक जाम दिन-ब-दिन विकराल होता जा रहा है. नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक ने इस ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए वसई-विरार नगरपालिका क्षेत्र में चार नए रेलवे फ्लाईओवर की आवश्यकता जताई। राज्य का शीतकालीन सत्र नागपुर में चल रहा है. सत्र के तीसरे दिन विधायक राजन नाइक ने औचित्य मुद्दे के माध्यम से वसई-विरार शहर में यातायात जाम की समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने मांग किया कि इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित चार रेलवे फ्लाईओवर का काम तुरंत शुरू कराया जाए। वसई-विरार नगर निगम की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। क्षेत्र के चार नगर परिषदों और 53 गांवों को नगर पालिका में शामिल किया गया। 2011 की जनगणना के मुताबिक शहर की आबादी करीब 12 लाख 23 हजार है. वर्तमान में यह जनसंख्या 30 लाख अनुमानित है। वसई-विरार शहर के शहरीकरण की गति को देखते हुए भविष्य में यह आबादी और बढ़ने वाली है। इसलिए जनसंख्या में वृद्धि के अनुसार शहर में सार्वजनिक परिवहन के साथ-साथ निजी परिवहन और माल परिवहन भी बढ़ गया है। जाहिर तौर पर मौजूदा रेलवे फ्लाईओवर पर काफी दबाव है। इनमें प्रमुख चार नए फ्लाईओवर शामिल हैं, जिनमें वसई-विरार नगरपालिका क्षेत्र में विरार-विराट नगर, नालासोपारा में ओसवाल नगरी, अलकापुरी और वसई में उमेलमान में पूर्व-पश्चिम रेलवे फ्लाईओवर शामिल हैं। चूंकि इन रेलवे फ्लाईओवर की मांग कई वर्षों से लंबित है, इसलिए नागरिकों में सरकार के प्रति भारी असंतोष है। इसलिए, विधायक राजन नाइक ने तत्काल मांग की है कि राज्य सरकार को मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से इन चार रेलवे फ्लाईओवर के काम में तेजी लानी चाहिए।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने श्री सिटी फैसिलिटी से एक लाख वाहनों के रोलआउट के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल की

मुंबई। इसुजु मोटर्स इंडिया ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में मौजूद अत्याधुनिक सुविधाओं वाली अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी से एक लाख वाहनों के रोलआउट की उपलब्धि की घोषणा की। इस शानदार कामयाबी से यह जाहिर होता है कि, इसुजु भारतीय बाजार के लिए अपने संकल्प पर कायम है और देश में मोटर-वाहनों के बाजार में इसकी मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। लोकप्रिय इसुजु डी-मैक्स वी-क्रॉस मॉडल के लॉन्च के साथ एक लाख वाहनों के रोलआउट की यह उपलब्धि हासिल की गई, जिसने लगातार अपनी मजबूती और विश्वसनीयता के लिए लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई है और उनका भरोसा जीता है।आंध्र प्रदेश के उद्योग वाणिज्य एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के सचिव, डॉ. एन. युवराज इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उनके अलावा, श्री सिटी के संस्थापक एवं एमडी, डॉ. रवींद्र सन्नारेड्डी तथा श्री सिटी जापानी कंपनी समूह के चेयरमैन, मकोतो सादो ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई इसुजु मोटर्स इंडिया ने साल 2016 में श्री सिटी में अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी की स्थापना के साथ अपने कारोबार का संचालन शुरू किया था। कंपनी ने मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े कामकाज में तालमेल बनाते हुए, साल 2020 में अत्याधुनिक प्रेस शॉप फैसिलिटी तथा इंजन असेंबली प्लांट के उद्घाटन के साथ अपने दूसरे चरण की शुरूआत की। इसके बाद से लेकर अब तक, इस फैसिलिटी से 14,00,000 से ज्यादा प्रेस्ड पार्ट्स तैयार किए जा चुके हैं। इसुजु मोटर्स इंडिया ने बाजार में लगातार बढ़ रही मांग को देखते हुए, बीते दो सालों में अपने वाहन और इंजन प्रोडक्शन को दोगुना कर दिया है। यह कंपनी की ग्राहकों की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दशार्ता है, साथ ही इसुजु ने गुणवत्ता के उसी स्तर को बनाए रखा है जिसके लिए उसे पूरी दुनिया में जाना जाता है। इसुजु मोटर्स इंडिया ने लंबे समय की अपनी ह्यमेक इन इंडिया स्ट्रेटजी के साथ तालमेल बिठाते हुए, घरेलू बाजार के लिए अपने परिचालन को मजबूत करने के साथ-साथ पूरी दुनिया में इसुजु की मौजूदगी को बढ़ाने में भी योगदान दिया है।